हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 263, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 11 मार्च, 2022 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी के लिए योगी ही उपयोगी, भगवा लहर में फिर सिमटी सपा

बसपा के अस्तित्व पर संकट, टूटे मिथक, बना रिकार्ड, सरकार के साथ संगठन का भी 'डबल इंजन'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के नतीजों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि मतदाताओं के बीच में न तो 'मोदी मैजिक' कम हुआ है और न ही लहर पर कोई असर है। हां, इस बीच विकासवाद की राजनीति के प्रतीक बनकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जरूर उभरे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जनसभा में 'यूपी के लिए योगी ही उपयोगी' जैसा नारा देकर योगी के प्रति बढ़े जनविश्वास पर अपनी मुहर लगा दी। कोरोना महामारी के भयंकर भंवर, कृषि कानून विरोधी आंदोलन को गांव-गांव पहुंचाने के विरोधियों के प्रयास और विपक्षी एकजुटता के बावजूद योगी आत्मविश्वास से 'सुशासन' की पतवार चलाते रहे और 37 वर्ष बाद यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार की लगातार वापसी का इतिहास रच डाला। काफी हाथ-पैर मारने के बाद भी भाजपा को मिले पूर्ण बहुमत के मुकाबले सपा मझधार तक ही पहुंच सकी, जबकि बसपा और कांग्रेस गोते खाकर इस सत्ता संघर्ष में पूरी तरह डूबती नजर आईं। वहीं, पंजाब में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी यहां खाता भी नहीं खोल सकी।

तीन दशक से अधिक समय बीत गया, उत्तर प्रदेश के लिए यह मिथक बनता जा रहा था कि यहां कोई पार्टी लगातार दो बार सरकार नहीं बना पाती और नोएडा जाने वाले मुख्यमंत्री की सरकार चली जाती है। मसलन, बीते तीन विधानसभा चुनावों में हुए उलटफेर ने इस मिथक को और मजबूत किया। 2007 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली बसपा का तख्त 2012 में सपा ने पलटा तो सपा की बहुमत वाली सरकार 2017 की मोदी लहर में ढेर हो गई। निस्संदेह भाजपा के लिए इस चुनाव में चुनौतियों का पहाड़ कहीं ऊंचा था। 2017 में तो तत्कालीन सपा सरकार के प्रति नाराजगी यानी सत्ता विरोधी लहर ने मोदी लहर के वेग को और मजबूत किया, लेकिन इस चुनाव में सत्ता विरोधी लहर का खतरा भाजपा के साथ था। इधर, वैश्विक महामारी कोरोना में हजारों लोगों की जान गई, जनता को लाकडाउन सहित तमाम संकट झेलने पड़े। विपक्ष एकजुट होकर सरकार की घेराबंदी में जुटा था। वह इस आपदा में सरकार के लिए कठघरा बनाने का अवसर तलाश रहा था, जबकि योगी सरकार और भाजपा संगठन ने सेवा ही संगठन अभियान चलाकर इस मुद्दे को हवा कर दिया।

संकट में गरीबों को दवा-राशन पहुंचाया। नतीजों पर उसका सीधा असर नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि गरीब दलितों का जो वोट बसपा को प्रदेश में मजबूती देता रहा है, वह काफी-कुछ भाजपा की तरफ मुड़ा है। चुनौतीपूर्ण कहे जा रहे इस चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार वापस बनाने के प्रति आश्वस्त थी तो सपा मुखिया अखिलेश यादव को अपनी ताजपोशी का भरोसा था। मगर, भाजपा का डबल इंजन का विजय रथ गुरुवार सुबह पोस्टल बैलेट और फिर ईवीएम में वोटों की गिनती से निकले रुझान से उम्मीदों के ट्रैक पर चढ़ा तो गर्म होने के साथ रफ्तार पकड़ता गया और विपक्ष के सपनों पर 'शिमला की बर्फ' चढ़ती गई। बूथ-बूथ से निकले योगी के 'बुलडोजर' ने अंतिम परिणाम आते-आते पूर्ण बहुमत के साथ साइकिल के परखच्चे उड़ा दिए। हाथी को बेदम कर दिया और सत्ता के गलियारे से कांग्रेस की एकमात्र उम्मीद प्रियंका गांधी वाड्रा को खाली हाथ लौटाते हुए आम आदमी पार्टी के सपनों पर भी झाड़ू फेर दिया।

काम कर गया कानून का डंडा : प्रदेश के चुनावों में अब तक कानून व्यवस्था बड़ा मुद्दा रही है। सपा को बेदखल कर 2017 में भाजपा इसी वादे के साथ सत्ता में आई थी कि कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इसके बाद माफियाराज पर लगातार प्रहार, अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति, लव जेहाद के खिलाफ कानून, माफिया की संपत्ति पर बुलडोजर जैसे योगी आदित्यनाथ के कई कदम थे, जिन्होंने प्रदेश में मजबूत कानून व्यवस्था संदेश दिया। चुनाव में पूरब से पश्चिम और रुहेलखंड से बुंदेलखंड तक इसका असर दिखाई दिया, जो चुनाव परिणामों में पूर्ण बहुमत के रूप में तब्दील भी हुआ है।

मुद्दे हवा : न किसान नाराज और न कोरोना का असर। केंद्र सरकार द्वारा जो तीन कृषि कानून लागू किए गए, उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश में माहौल बनाने का भरसक प्रयास हुआ। हालांकि, चुनाव से ऐन पहले सरकार ने उन कानूनों को वापस भी ले लिया, लेकिन विपक्ष आश्वस्त था कि किसानों की नाराजगी भाजपा पर भारी पड़ेगी। इसी उम्मीद के साथ सपा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बढ़त के लिए किसानों की राजनीति का दावा करने वाले राष्ट्रीय लोकदल से गठबंधन किया। पिछले चुनाव में एकमात्र छपरौली सीट जीतने वाले रालोद को अखिलेश ने गठबंधन में 33 सीटों पर चुनाव लड़ाया। मगर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नतीजे बता रहे हैं कि आंदोलन का असर मात्र एक बिरादरी तक सिमटा रह गया। किसान हित की मोदी-योगी सरकार की योजनाओं की काट विपक्षी रणनीति नहीं निकाल पाई। किसानों ने भाजपा को भरपूर वोट दिया। बेसहारा पशुओं की समस्या जरूर थी, लेकिन गोवंश संरक्षण के प्रति सीएम योगी की नीयत-कवायद और दोबारा सरकार बनने पर इस समस्या से संपूर्ण निदान के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आश्वासन ने इस मुद्दे को भी बेअसर कर दिया। विभिन्न कारणों से बढ़ी महंगाई को विरोधी दल हथियार बनाना चाहते थे, लेकिन मुफ्त राशन, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का असर उससे अधिक रहा।

गरीब कल्याण की नीति को न भेद सका जातियों का जाल : पूर्वांचल की राजनीति में जातीय समीकरणों का खास प्रभाव माना जाता है। सपा की आस इसी पर टिकी थी, इसलिए उन्होंने पिछड़ों में पैठ बनाने की रणनीति के तहत सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, अपना दल कमेरावादी और महान दल के साथ गठबंधन किया। वहीं, भाजपा इस मैदान में गठबंधन के पुराने साथी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के साथ थी। मगर, भाजपा की आस गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना से दिए घर, मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना की सुविधा, निःशुल्क बिजली कनेक्शन, निश्शुल्क रसोई गैस कनेक्शन जैसी गरीब कल्याण की योजनाओं पर टिकी थी, जो कि पूरी हुईं। गरीब कल्याण से जुड़े सुशासन के इस मंत्र को विपक्ष का जातीय तंत्र नहीं भेद सका और पूर्वांचल में भी खुलकर कमल खिला।

सत्ता में योगी सरकार की वापसी के साथ ही कुछ मिथक टूटे हैं और रिकार्ड भी बने हैं। प्रदेश की राजनीति में 37 वर्ष बाद ऐसा हुआ है, जब सत्ताधारी पार्टी को लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का मौका मिला हो। वर्ष 1985 में कांग्रेस ने अंतिम बार सत्ता में वापसी की थी। पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा कर दोबारा मुख्यमंत्री की शपथ लेने वाले योगी भाजपा के पहले मुख्यमंत्री होंगे। इसी तरह मायावती और अखिलेश यादव के बाद पूर्ण बहुमत की सरकार पांच साल चलाने वाले वह तीसरे सीएम कहलाएंगे। वहीं, नोएडा जाने पर सरकार चले जाने का जो मिथक है, वह भी इस बार टूट गया। अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में योगी कई बार नोएडा गए।

भाजपा की इस बड़ी जीत में डबल इंजन की पूरी ताकत है। डबल इंजन सिर्फ मोदी-योगी सरकार का ही नहीं, बल्कि एक इकाई के रूप में भाजपा सरकार है तो दूसरी इकाई पार्टी का मजबूत संगठन है। संगठन की रणनीतिक कमान फिर से गृहमंत्री अमित शाह के हाथ में थी तो उसे उनके सहयोगी बने प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह और चुनाव सह-प्रभारी अनुराग ठाकुर। प्रदेश में संगठन की मजबूत बागडोर संभालते हुए चप्पे-चप्पे को प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने अपने पसीने से सींचा तो एक-एक रणनीति को बूथ स्तर तक पहुंचाने में बड़ी अहम भूमिका प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल की रही।

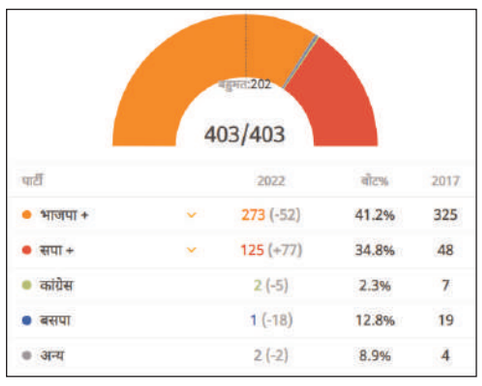

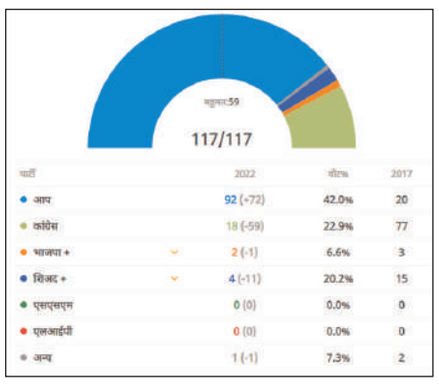

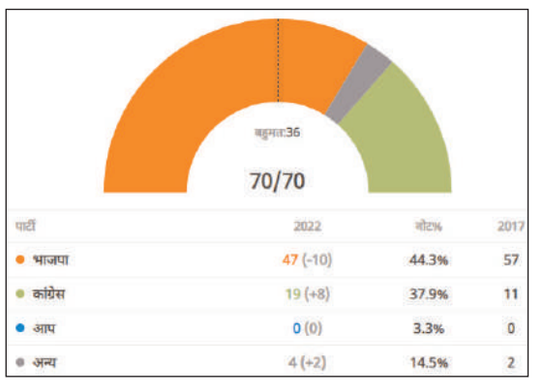

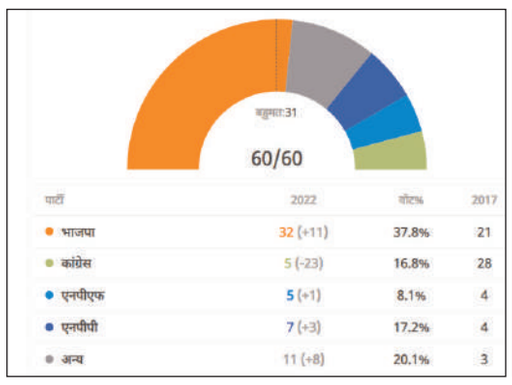

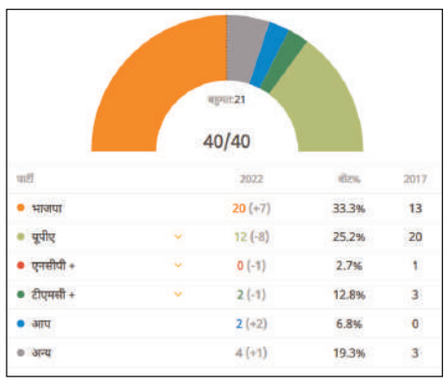

2022 के चुनाव परिणाम ने तय कर दिए 2024 के नतीजे यह परिवारवादी राजनीति के अंत का संकेत : पीएम मोदी

नई दिल्ली। यूं तो पांच राज्यों के चुनाव को पहले से ही अगले आम चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था, गुरुवार को नतीजों के एलान के बाद खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार राज्यों और खासकर उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मिले जनादेश को 2024 से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इसने लोकसभा चुनाव के नतीजे तय कर दिए हैं। भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने चुनाव नतीजों को परिवारवाद की राजनीति के सूर्यास्त का आगाज बताया और पार्टी की जीत का श्रेय खासकर महिलाओं और युवाओं को दिया। वहीं कोविड महामारी और फिर यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के संकट के दौरान भी संकीर्ण राजनीति के लिए विपक्षी नेताओं व दलों को आड़े हाथों लिया।

2024 के लोकसभा चुनाव की जीत तय- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ राजनीतिक पंडितों ने 2019 में भाजपा की लोकसभा में जीत को कम आंकने के लिए इसका श्रेय 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिली भारी जीत को दे दिया था। उन्होंने कहा कि अब जबकि 2022 में फिर से उत्तर प्रदेश में भाजपा की वापसी हो रही है, वे 2024 के लोकसभा चुनाव की जीत तय कहने की हिम्मत जुटा पाएंगे।

परिवारवादी राजनीति का होगा सूर्यास्त- चुनावी हार-जीत को जातीय समीकरण से देखने के लिए राजनीतिक विशेषज्ञों को आड़े हाथों लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने 2014, 2017, 2019 और 2022 में लगातार जातिवाद के ऊपर विकासवाद को तरजीह है। प्रधानमंत्री ने साफ किया कि वह किसी परिवार के खिलाफ नहीं हैं लेकिन इसके लोकतंत्र के खिलाफ होने की वजह से चिंतित जरूर हैं। उन्होंने कहा, 'एक दिन ऐसा आएगा जब देश के नागरिक परिवारवादी राजनीति का सूर्यास्त कर-के रहेंगे।'

जनता ने एकजुट होकर भाजपा पर जताया भरोसा- प्रधानमंत्री ने भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय पूरी तरह से महिलाओं और युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि जहां-जहां महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुषों की तुलना में ज्यादा रहा है, वहां-वहां भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। उन्होंने महिलाओं को भाजपा की जीत का सारथी बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, गोवा, उत्तर प्रदेश और मणिपुर की चुनौतियां और विकास के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, लेकिन वहां की जनता ने इसके लिए एकजुट होकर भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्होंने चारों राज्यों में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताया।

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति से सतर्क रहें लोग- प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को विपक्ष की नकारात्मक राजनीतिक से भी सतर्क किया। उन्होंने बताया कि किस तरह देश दो साल से कोविड संकट से जूझ रहा है और अब यूक्रेन संकट ने चुनौतियों को और भी बढ़ा दिया है। जहां सरकार लगातार इन वैश्विक चुनौतियों से निपटने की कोशिश कर रही है, वहीं विपक्ष इसमें मदद करने के बजाय झूठ फैलाकर लोगों को बरगलाने की कोशिश में जुटा है।

विपक्ष पर करारा वार- इस क्रम में पीएम मोदी ने भारत में बनी कोविड वैक्सीन पर विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाए जाने के साथ-साथ यूक्रेन में फंसे छात्रों व उसके परिवार वालों के बीच दशहत फैलाने की कोशिशों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जहां पूरा देश एकजुट होकर यूक्रेन से भारतीयों को निकालने की कोशिश कर रहा था, वहीं विपक्षी दलों ने इसमें भी प्रदेशवाद को शामिल कर दिया।

भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए हो रही गोलबंदी- प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे नेताओं के पक्ष में हो रही राजनीतिक गोलबंदी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए ये लोग निष्पक्ष जांच करने वाली एजेंसियों को ही कठघरे में खड़ा कर दवाब बनाने की कोशिश कर रहे हैं और उनके ईको सिस्टम इसे हवा दे रहे हैं। यहां तक कि इन्हें न्यायपालिका पर भी भरोसा नहीं है।

ऐसे लोगों से रहें दूर- भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए उसे जाति और धर्म से भी जोड़ने से गुरेज नहीं करते। ऐसे लोगों की रणनीति उजागर करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले ये भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जांच नहीं होने देते और जांच शुरू हो भी जाए तो इसे करने वाली एजेंसी पर ही दवाब बनाकर उसे प्रभावित करने में लग जाते हैं। उन्होंने सभी जातियों और संप्रदायों से ऐसे लोगों से दूर रहने का आह्वान किया।

प्रो-पूअर और प्रो-एक्टिव गवर्नेंस माडल पर मुहर- मोदी ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर के परिणामों को जीत का चौका बताते हुए कहा कि ये पार्टी की प्रो-पूअर और प्रो-एक्टिव गवर्नेंस माडल पर लोगों की मुहर हैं। साथ ही अगले 25 वर्षों के लिए पार्टी की नीतियों और उसके विजन पर लोगों के भरोसे को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने कई प्रधानमंत्री दिए हैं, लेकिन पहली बार उसने कार्यकाल पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री को फिर चुना है।

पार्टी कार्यकताओं ने निभाया वादा- उन्होंने आगे कहा, 'भाजपा कार्यकताओं ने मुझसे वादा किया था कि इस साल होली 10 मार्च से शुरू होगी और उन्होंने वादा निभाया है। इन कार्यकताओं ने दिन-रात काम किया और राज्यों के लोगों का भरोसा जीतने में सफल रहे। सरकार में होने के बावजूद मणिपुर, उत्तर प्रदेश और गोवा में भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा है। गोवा में सभी एक्जिट पोल गलत साबित हुए और गोवा के लोगों ने हमें लगातार तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया है। उत्तराखंड में भी भाजपा ने इतिहास रचा है।'

शहीदे आजम भगत सिंह के गांव में शपथ लेंगे भगवंत मान, मुख्यमंत्री चन्नी आज देंगे इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के चुनाव के परिणाम स्थापित पार्टियों के लिए सुनामी साबित हुए हैं। मात्र आठ साल पुरानी आम आदमी पार्टी के पक्ष में आई सुनामी में ऐसे ऐसे दिग्गजों को धराशायी कर दिया है जिनके बारे में कहा जा रहा था कि वे अजेय हैं। नतीजों ने साफ कर दिया है कि भगवंत मान पंजाब के नए मुख्यमंत्री होंगे। वह शहीद-ए-आजम भगत सिंह की धरती खटकड़ कलां में शपथ लेंगे। पंजाब के लोगों ने नवजोत सिंह सिद्धू के पंजाब मॉडल की बजाए अरविंद केजरीवाल को एक मौका पर ज्यादा भरोसा किया। आम आदमी पार्टी ने राज्य की 117 में से 92 सीटें जीतकर प्रचंड जीत हासिल की है। हालांकि पार्टी शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी गठजोड़ को 1997 में हासिल हुई 93 सीटों से एक कम रह गई लेकिन इसे एक सिंगल पार्टी की सबसे बड़ी जीत कहा जाएगा। इससे पहले कांग्रेस ने 2017 के चुनाव में 77 सीटें जीतकर इसी तरह की जीत हासिल की थी। सत्तारूढ़ कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही जिसे 18 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। शिरोमणि अकाली दल गठबंधन को चार , भाजपा को दो और एक आजाद उम्मीदवार को जीत मिली है। 2017 के चुनाव में आप को बीस , अकाली दल को 15, भाजपा को तीन और लोक इंसाफ पार्टी को दो सीटों पर विजय मिली थी।

अमन अरोड़ा ने सबसे बड़ी जीत हासिल की, 75277 वोटों से जीते- आम आदमी पार्टी की पंजाब में चली सुनामी का आलम उनके जीते 92 उम्मीदवारों के मार्जिन से लगाया जा सकता है। ज्यादातर उम्मीदवार 20 हजार से ज्यादा मार्जिन से जीते हैं लेकिन सबसे बड़ा मार्जिन अमन अरोड़ा का सुनाम से सामने आया है। वह 75277 हजार के अंतर से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जसविंदर सिंह धीमान से जीते हैं।

आज के परिणामों ने सभी दिग्गजों को धूल चाटने पर मजबूर कर दिया है। अजेय बने हुए ये दिग्गज प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर सिंह बादल, बिक्रम सिंह मजीठिया, कैप्टन अमरिंदर सिंह, बीबी राजिंदर कौर भट्टल , लगातार छह बार से जीत रहे परमिंदर सिंह ढींडसा , स्पीकर राणा केपी सिंह , कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू, मनप्रीत बादल आदि सभी अपनी अपनी सीटें भारी मतांतर से हार गए हैं। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी अपनी दोनों सीटों चमकौर साहिब और भदौड़ सीटें हार गए हैं। चन्नी कैबिनेट के मात्र छह मंत्री सुखजिंदर रंधावा, तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, अरुणा चौधरी, परगट सिंह, सुखबिंदर सिंह सरकारिया, अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और राणा गुरजीत सिंह ही अपनी सीटें बचा सके। मुख्यमंत्री समेत 11 मंत्री सीटें नहीं बचा सके। 2014 के लोक सभा चुनाव में 13 में से चार सीटों पर जीत कर पंजाब में अपना सफर शुरू करने वाली आप 2017 के विधानसभा चुनाव में 20 सीटें जीतकर प्रमुख विपक्षी पार्टी बनी और आज 2022 में पंजाब की करीब 92 सीटों पर जीत दर्ज कर-के रिकार्ड बनाने में कामयाब हो गई है। आप अपनी सुनामी में गांव से लेकर शहर तक की सीटों को बहाकर ले गई। गांव से लेकर शहर तक के मतदाताओं ने केजरीवाल के दिल्ली माडल पर भरोसा किया। 'एक मौका केजरीवाल को, एक मौका भगवंत मान को को नारा देने वाली आप ने न सिर्फ दिल्ली के सुशासन और सरकारी शिक्षा में सुधार का मुद्दा उठा कर अपनी उपलब्धियों को सामने रखा। वहीं, पंजाब में ट्रांसपोर्ट व रेत माफिया का मुद्दा, बेरोजगारी, लाल फीताशाही का मुद्दा उठा कर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ शिरोमणि अकाली दल पर जमकर प्रहार किया। केजरीवाल ने पंजाब में भगवंत मान के रूप में मुख्यमंत्री का चेहरा दिया।

साफ और बेदाग होने के कारण कांग्रेस व शिरोमणि अकाली दल के पास मान पर सीधा हमला करने के लिए कोई हथियार नहीं थी। हालांकि दोनों ही पार्टियों ने मान के शराब की आदत को लेकर जरूर उन पर हमले किए लेकिन उसके एवज में आप के पास कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के रिश्तेदार के यहां पड़े ईडी के छापे और पकड़े गए 10 करोड़ रुपये का मुद्दा था तो अकाली दल के मुख्यमंत्री पद के चेहरा सुखबीर बादल के लिए ट्रांसपोर्ट व बेअदबी कांड का हथियार था।

शिरोमणि अकाली दल हो या कांग्रेस सभी ने अपने चुनाव के दौरान केजरीवाल के दिल्ली माडल को नकारने पर ज्यादा जोर दिया। इसके बावजूद पंजाब में झाड़ू ऐसा चला कि मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, नवजोत सिंह सिद्धू, कैप्टन अमरिंदर सिंह, प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर बादल सरीखे नेता धराशायी हो गए।

चिंतन मनन

तेल पर बैन

यूक्रेन-रूस युद्ध के 13 दिन बीत चुके हैं। इस युद्ध का असर अब पूरी दुनिया पर होने लगा है। तमाम देशों के लगाए ढेरों प्रतिबंध झेलने के बाद भी रूस यूक्रेन पर अपनी कार्रवाई को रोकने का नाम नहीं ले रहा है। जिसके चलते इंटरनेशनल लेवल पर अब नए समीकरण बनने लगे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंगलवार को बाइडेन ने इसका ऐलान किया। विशेषज्ञ इस कदम को बहुत बड़ी कार्रवाई मानते हुए कह रहे हैं कि यही एक ऐसा कदम है जो रूस को कदम पीछे हटाने पर मजबूर कर सकता है। हालांकि माना जा रहा है कि इस कार्रवाई का असली असर तभी होगा जबकि यूरोपीय देश भी इसे लागू करें, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कितने यूरोपीय देश यह कदम उठा पाएंगे। हालांकि ब्रिटेन ने कहा है कि वह साल के आखिर तक रूस से तेल का आयात चरणबद्ध तरीके से बंद कर देगा। अमेरिका के मुकाबले रूस पर यूरोप की ऊर्जा निर्भरता कहीं ज्यादा है। सऊदी अरब के बाद रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है, लेकिन अमेरिका उससे थोड़ी मात्रा में ही तेल आयात करता है जिसका विकल्प खोजना आसान है लेकिन यूरोप के लिए निकट भविष्य में तो ऐसा करना आसान नहीं दिखता। युद्ध में भी यूक्रेन के रास्ते बड़े स्तर पर हो रही है रूसी गैस आपूर्ति एक और खतरा तेल कीमतों में बेतहाशा वृद्धि भी है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही दुनियाभर में तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। अगर रूस से आयात बंद कर दिया जाता है तो उपभोक्ताओं, उद्योगों और वित्तीय बाजारों के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अमेरिकी प्रतिबंध का असर अमेरिका में गैसोलिन के दाम ऐतिहासिक ऊंचाई पर हैं। बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन की मांग मानते हुए रूस से तेल आयात पर प्रतिबंध का ऐलान कर दिया है। हालांकि रूस पर इसका बहुत ज्यादा असर होने की संभावना नहीं है क्योंकि अमेरिका बहुत कम तेल रूस से खरीदता है और प्राकृतिक गैस तो बिल्कुल नहीं लेता है। पिछले साल अमेरिका के कुल पेट्रोलियम आयात का सिर्फ 8 प्रतिशत रूस से आया था। 2021 में इसकी मात्रा 24.50 करोड़ बैरल थी, यानी लगभग 6,72,000 बैरल प्रतिदिन, लेकिन रूस से आयात रोजाना घट रहा है क्योंकि खरीदार भी रूसी तेल को ना कह रहे हैं लेकिन रूस पर फिलहाल इसका ज्यादा असर नहीं होगा क्योंकि इतनी ही मात्रा में वह अपना तेल कहीं और बेच सकता है। चीन और भारत उसके संभावित ग्राहक हैं। पर उसे यह तेल कम कीमत पर बेचना होगा क्योंकि उसके तेल के ग्राहक लगातार घट रहे हैं। इससे वेनेजुएला, ईरान को फायदा होगा। आने वाले समय में अगर रूस को बिल्कुल अलग-थलग कर दिया जाता है तो ईरान और वेनेजुएला जैसे तेल विक्रेता देशों की वापसी अंतरराष्ट्रीय बाजार में हो सकती है, जिनकी अपनी छवि अच्छी नहीं है। इनकी वापसी से तेल की कीमतों को दोबारा स्थिर किया जा सकता है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका का एक दल वेनेजुएला में था और प्रतिबंध हटाने पर बातचीत हुई है। पिछले महीने तेल 90 डॉलर प्रति बैरल था जो अब 130 डॉलर तक जा पहुंचा है। आशंका है कि यह 200 डॉलर प्रति बैरल तक भी जा सकता है। रूस पर वैश्विक प्रतिबंधों के चलते महंगे क्रूड की धार में फंसे भारत-अमेरिका सहित कई देशों के सामने बिगड़ती अर्थव्यवस्था को संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। हालांकि रूसी कंपनियों ने भारत सहित कई देशों को डिस्काउंट पर क्रूड ऑयल देने की पेशकश की है। 24 फरवरी को जब युद्ध शुरू हुआ था तक कच्चा तेल 100 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो अब 140 तक पहुंच चुका है। यानी 13 दिनों में ही कच्चा तेल 40 फीसदी महंगा हो गया है। कच्चे तेल के इंटरनेशनल मार्केट में 1 डॉलर प्रति बैरल महंगा होने पर पेट्रोल-डीजल की कीमत में प्रति लीटर 50-60 पैसे तक का इजाफा होता है। अनुमान है कि पेट्रोल-डीजल के दामों में 25 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं सरकारी तेल कंपनियां जल्द ही इनकी कीमत में 6 रुपए तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपया सबसे कमजोर हालत में पहुंच गया है। अभी 1 डॉलर की कीमत 77 रुपए के पार निकल गई है। ऐसे में इससे भी महंगाई बढ़ने लगी है।

इसलिए रह जाती है पूर्व जन्म की स्मृतियां

माना जाता है कि संसार में हम जो भी काम करते अथवा बोलते हैं वह एक उर्जा के रूप में प्रकृति में वर्तमान रहती है। उर्जा के विषय में विज्ञान कहता है कि उर्जा कभी नष्ट नहीं होती है। इसका स्वरूप बदलता रहता है। हमारी आत्मा भी उर्जा का ही स्रोत है इसलिए कभी मनुष्य शरीर में रहती है तो कभी पशु, कीट की योनी में जाकर रहती है। लेकिन अपनी आत्मा को हम किस रूप में स्थान देना चाहते हैं यह हमारे अपने हाथ में है। जिस प्रकार उर्जा को कर्म के अनुसार रूपांतरित किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार कर्म के अनुसार आत्मा को भी रूप दिया जा सकता है। पुराणों में बताया गया है कि आत्मा का वही रूप होता है जैसे शरीर में वह विराजमान होता है। वर्तमान जन्म में हम जो अच्छे या बुरे कर्म करते हैं उसके अनुरूप आत्मा दूसरा शरीर ग्रहण करती है। आत्मा अपने साथ पूर्व जन्म की स्मृति और आकांक्षाओं को भी साथ में लेकर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। शरीर बदलने के बाद भी आत्मा पुराने शरीर की स्मृतियों को नहीं भूलती है। इस तथ्य को परामनोवैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। मरने के समय जिनकी आत्मा अतृप्त रहती है और पूर्व जन्म कार्यों को पूरा करने के लिए छटपटाती रहती है। ऐसे लोगों को अपने पूर्व जन्म की कई बातों की स्मृति रहती है। पुराणों में पार्वती के पूर्व जन्म की कथाओं का उल्लेख मिलता है। कथाओं में बताया गया है कि पार्वती को पूर्व जन्म में प्रजापति दक्ष की पुत्र के रूप में जन्म लेकर शिव से विवाह और अग्नि कुण्ड में भष्म होने की घटना का स्मरण था। शिव को फिर से पति रूप में पाने के लिए ही सती ने पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या किया। पुराणों और शास्त्रों में कई ऐसी कथाओं का जिप्र किया गया है जिसमें व्यक्ति को अपने पूर्व जन्म की घटनाओं की स्मृति रही। जिमूतवाहन व्रत में भी इसी तरह की एक कथा का उल्लेख मिलता है।

क्या अब और 'बेलगाम' हो जायेगी यह दुनिया?

रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर किया गया सैन्य आक्रमण न तो अचानक किया गया हमला था न ही रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अपने इस फैसले में कोई बात लुका छिपा रखी थी। यूक्रेन को पिछले कई महीनों की लगातार चेतावनी के बाद पुतिन द्वारा सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया गया। उधर यूक्रेन को भी इस बात का भरोसा था कि यदि पुतिन ने यूक्रेन पर आक्रमण करने का 'दुस्साहस' किया तो यूरोपीय संघ के देश,नाटो के सदस्य देश खासकर अमेरिका, यूक्रेन की मदद के लिये खुलकर सामने आयेंगे। परन्तु अमेरिका ने रूसी संपत्तियां जब्त करने व कुछ नाटो देशों ने यूक्रेन को हथियार देने,आर्थिक प्रतिबंध लगाने व रूसी विमानों के लिये अपना हवाई मार्ग बंद करने जैसे फैसलों के अतिरिक्त कुछ नहीं किया। निश्चित रूप से यूक्रेन को रूस से अधिक नुक़्सान उसके इसी 'भरोसे' ने पहुँचाया कि पश्चिमी देश उसकी जमीन पर आकर उसका युद्ध लड़ेंगे। वैसे भी वियतनाम,इराक और अफगानिस्तान जैसे देशों में अमेरिका की रुस्वाई और 1971 में भारत के विरुद्ध पाकिस्तान की सहायता के लिये भेजे गये 'सातवें युद्धपोत के झांसे' बावजूद यूक्रेन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की किस आधार पर अमेरिका व नाटो हस्तक्षेप की बाट जोह रहे थे यह भी समझ से परे है। हालांकि रूसी हमले के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शक्ति उसके अस्तित्व व अहमियत पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दुनिया जानती है कि अमेरिका व रूस के बीच वैश्विक वर्चस्व की वह दीर्घकालिक जंग चल रही है जिसे दुनिया 'शीतयुद्ध ' के नाम से भी जानती है। दुनिया के अनेक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की आलोचना तो कर रहे हैं साथ ही यह भी याद दिला रहे हैं कि यूक्रेन की तबाही पर 'विलाप' करने वाला यही मीडिया क्या उस समय भी लोगों के जान माल के नुक़्सान का ऐसा ही कवरेज करता है जब

फिलिस्तीन,अफगानिस्तान,सीरिया,इराक व यमन जैसे देशों में विदेशी सैन्य कार्रवाइयां होती हैं अथवा विद्रोह कराये जाते हैं ? उस समय मीडिया में खामोशी इसीलिये छाई होती है क्योंकि प्रायः पश्चिमी मीडिया भी अमेरिकी हितों का ध्यान रखते हुये संचालित होता है। और यदि अलजजीरा जैसा कोई चैनल अमेरिकी या इस्राईली बर्बरता पूर्ण कार्रवाई तथा इनसे होने वाली जान माल की क्षति का ब्यौरा प्रसारित करते है तो ऐसे चैनल्स के दफ़्तरों को बमबारी कर उड़ा दिया जाता है। जैसा कि इराक युद्ध के समय भी हुआ और गत वर्ष 16 मई 2021 को गाजा में भी देखने को मिला। गाजा में यही 'पश्चिमी हित साधक' मीडिया उस समय खामोश था जब गाजा स्थित 12 मंज़िला मीडिया टावर को इस्राईली हवाई हमले में ध्वस्त कर दिया गया था। जिसमें 47 बच्चों सहित 174 लोगों की मौत की खबर आई थी। इसमें अनेक मीडिया अलजजीरा व ए पी सहित अनेक मीडिया मुख्यालय थे। इस इस्राइली हमले को युद्ध अपराध बताया गया था।

इसी तरह अमेरिका भी जब चाहे ईरान को 'शैतान की धुरी ' का तमगा दे दे। जब चाहे सामूहिक विनाश के हथियार होने का झूठा बहाना बनाकर इराक को तबाह बर्बाद कर दे,जब चाहे कहीं विद्रोहियों की मदद कर सत्ता के विरुद्ध बगावत करा दे क्या वह 'अमेरिकी हिटलरशाही' नहीं है ? क्या यह सब अमेरिका के अधिकार हैं और उसकी हर कार्रवाई विश्व शांति के लिये की जाने वाली मान्य व विधिसंवत कार्रवाई है ? परन्तु अमेरिका की रूस के निकटवर्ती सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिये यूक्रेन पर किये गये हमले के चलते पश्चिमी मीडिया ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तुलना हिटलर से करते देर नहीं लगाई। ईरान से टकराव के बहाने आज भी अमेरिकाव इस्राईल ढूंढते ही रहते हैं। इराक व अफगानिस्तान को खंडहर बनाने में भी अमेरिका ने कोई कसर नहीं छोड़ी आखिरकार उसी 'अराजक ' नेतृत्व के हाथों पुनः अफगानिस्तान सौंप कर उसे वापस आना पड़ा। अमेरिका व इस्राईल पर कई बार युद्ध अपराध के आरोप लग चुके हैं। परन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद लेकर तमाम अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में अमेरिकी वर्चस्व होने के कारण न अमेरिका के विरुद्ध आज तक कोई बड़ी कार्रवाई हुई न ही उसके मित्र देश इस्राईल के विरुद्ध। सही मायने में यूक्रेन पर हमले का जितना दोष पुतिन पर मढ़ा जा रहा है,अमेरिका व उसके सहयोगी पश्चिमी देश भी पुतिन से कम जिम्मेदार नहीं हैं। न वे अपने वैश्विक वर्चस्व का खेल खेलते हुये रूस के विरुद्ध यूक्रेन को उकसाते,न उसे संकट में हर संभव सहायता देने का 'लॉली पॉप ' देते न ही आज यूक्रेन को यह दिन देखने पड़ते। वैसे भी इराक व अफगानिस्तान में अमेरिकी सैन्य अभियान का जिस तरह अमेरिकी जनता ने विरोध किया था और उन्हीं परिस्थितियों में अमेरिका को रातों रात इन देशों से अपने सैन्य साज-ो-सामान छोड़कर भागना पड़ा उसके बाद अब भविष्य में इस बात की कम ही संभावना है कि अमेरिका किसी दूसरे देश की जमीन पर अपने सैनिकों को लड़ने के लिये भेजेगा। खासतौर से तब तक जबतक उसके अपने हितों का सवाल न हो। राष्ट्रपति पुतिन ने जो भी किया है उसे मानवीय दृष्टि से कतई सही नहीं ठहराया जा सकता परन्तु जिन परिस्थितियों ने उन्हें ऐसा करने के लिये मजबूर किया उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाँ रूस के यूक्रेन पर किये गये इस हमले के बाद खासतौर पर यूक्रेन के अकेले पड़ जाने व दुनिया के तमाशा देखते रहने के बाद अब इस बात का संदेह और बढ़ गया है कि क्या दुनिया के शक्तिशाली देश अब इस्राईल,अमेरिका की चली आ रही मनमानी और युद्ध अपराधों के बाद अब रूस द्वारा किये गये आक्रमण से भी 'प्रेरणा ' लेकर अपने पड़ोसी कमजोर व छोटे देशों के विरुद्ध किसी न किसी बहाने इसी तरह की आक्रामक नीतियां अपना सकते हैं ? और यदि ऐसा हुआ तो क्या यह दुनिया भविष्य में अब और भी बेलगाम हो जायेगी ?

ए लाईफ अन कॉमन दे इंडिकेवल बीएस बेदी जर्नी ऑफ आन आईपीएस आफिसर

आसमा वर्षो से वर्षो तक बढ़ता है तब खाक के फलग से कोई इंसान इस जमीन पर दुनिया ' वालो को प्रेम ,कर्तव्य,शांति भाई चारे व सोहार्द का संदेश ले कर भेजता है। डा0 बलवीर बेदी सेवा निवृत 1961 यू पी बैच के भारतीय पुलिस सेवा केडर आफिसर थें । डा० बलवीर सिंह बेदी ईसान व इन्सानियत के जीती जागती उदाहरण थें।आप की पहचान एक भारतीय पुलिस सेवा में कर्तव्य निष्ट,अधिकारी थे ,वही अपने परिवार व समाज के लिए सच्चे व नेक इंसान थे।मैने उन्हे नजदीक से ना केवल देखा है ब्लकि कई यादगार पल भी गुजारे है।उपरोक्त उदगार आज नई दिल्ली के इतिहासिक जन्तर मन्तर मार्ग पर स्थित केरला हाउस के सभागार मे डा० बलवीर सिंह वेदी के जीवन पर आधारित बायोग्राफी ' ए लाईफ अनकामन ' बी एस बेंदी दे इंडिकेवल जर्नी ऑफ ऑन आई पी एस आफिसर " डा० प्रीति सिंह द्वारा लिखी गई पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम था इस अवसर पर मुझे भी अपने बरिष्ट मीडिया मित्रों के साथ कुछ स्वर्णिम पल बिताने व साक्षी बन नें का सुअवसर मिला ।

पुस्तक का प्रकाशन दिशा इन्टर नेशन पब्लिर्स हाउस ' ग्रेटर नोएडा के द्वारा कुशल प्रकाशन वसंपादन किया गया है।पुस्तक की साज व सज्जा सजिल्द प्रकाशित किया गया है। पुस्तक की कीमत 390 /= है।पुस्तक ऑन लाईन एमोजन एप पर भी उपलब्ध है।

आशा है कि पुस्तक अपने पाठकों को ना केवल प्रेरणा देगी ब्लकि उनके जीवन में मार्गदर्शन के साथ पथ प्रदर्शक का कार्य करेगी` सन1961 यु पी बैच के आई पी एस पिता के जीवन पर आघारित वायोग्राफी के रूप पुस्तक के माध्यम से प्रेरणा दायक कहानी एक पुत्री के कलम से लिपि बद्ध की गई है।

विश्व के मानस पटल पर भारत विभिन्नता में एकता व अखण्डता के लिए प्रख्यात है।यहाँ की वेष भुषा व भाषा अलग अलग ही हो लेकिन सबके दिल राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत प्रोत है।हमारी संस्कृति व सभ्यता का परचम पुरे विश्व में पहरा रहा है।इसके साथ यहाँ के बदलते मौसमअपने साथ पर्व त्योहार 'क्षेत्रीय साज व संगीत के दीवाने भारत के अलावे कई देशों मे है।इसी क्रम में आज ऋतु बसंत के खुशनुमा माहोल में राजधानी के ऐतिहासिक जनपथ मार्ग केरला हाउस में अपने कुछ वरिष्ट संपादक व मीडिया मित्रो के सानिध्य सम्मापीय में जीवन के स्वर्णिम पल बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ विगत दिनों हमें मिला '

मौका था।डाङ्क बलबीर सिंह बेंदी आई पी एस के जीवन पर आधारित लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह का।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मंच पर विराजमान हो कर शोभा बड़ा रहे थे,केरल राज्य के महामहिम आरिफ मो खान थे,जिनसे मिलने का सौभाग्य मुझे पूर्व में कई बार हो चुका है।मै आरिफ साहब के विषय मे संक्षिप्त में इतना बताना चाहूंगा कि ये एक बे सहदय ही संजीदा व खुश मियाज इंसान है। आज आप भले ही एक संवैधानिक महामहिम के पद आसीन है।इस अवसर पर केरल राज्य के महामहिम आरिफ मो०खान के कर कमलो द्वारा पुस्तक का विमोचन एक सादे समारोह नई दिल्ली स्थित केरला हाउस कै सभागार में किया है।

इस पुस्तक में डा० बेंदी के जीवन के उत्तार चढाव के संघर्ष व अनुभवो पर आधारित है।एक भारतीय पुलिस प्रसानिक सेवा पद पर रहते है। आप ने अपने धार्मिक 'समाजिक व पारिवारिक द्वायत्वो का र्निवाह का इतना आसान नही था।फिर भी आपने अपने जीवन व सरकारी पदो के बीच में समझौता नही कर एक अनोखा सामजस्य स्थापित किया।

आप का भारत पाक के विभाजन समय अपने परिवार का पंजाब के सिन्ध प्रांत से भारत मे आगमन हुआ था , पुस्तक में विभाजन से वेदना के कारुणिक कहानी का सचित्र चित्रण किया गया है। लेखिका नें अपने पापा के सान्निध्य बताते हुए कहती है कि

जब मै तीन साल की थी ' पापा जालोन में रढ के पद थें।वे रात रात भर घर से बाहर रहते थे मेरे मन मस्तिष्क पे वह धुमिल तस्वीरें आज भी है।जब मेरे से एक पैसा गुम हो गया और मेरी मॉ मेरे पें बहुत ही गुस्सा हो गई। इसी क्रम मे मै आप सभी को एक समक्ष एक बात का जिक्र करना चाहूंगी घर पर पहली बार महिन्द्रा कम्पनी जीप आई थी।उस समय मगरू लाल जो कि रशोईयाँ थे 'किरोसिन स्टोव पर देसी मुर्गा बनाने का आदेश दिया था - '

जम्मु - कश्मीर 1992 - 1993 . डी जे पी - पद रहे थें। पुस्तक विमोचन समारोह मे केरला के महामहिम राज्यपाल आरिफ मो०खान साहव नें अपने उदगार व्यक्त करत हुए कहा कि बेदी जी समाज में अनुशासन प्रिय थे , मुझे प्रशन्नता हो रही है।मुझे व मेरी स्वगीर्या पत्नी केउनके काफी भी अच्छे तालुक थें।आज मुझे काफी ही प्रसन्नता हो रही है कि एक पुत्री के द्वारा अपने पिता पर बायोग्राफी लिखना इतना आसान नही होता है।डा० बलवीर सिंह वेदी एवं एक सच्चे कर्म निष्ट अनुसासन प्रिय पुलिश अधिकारी थें।एक शिक्षक को रूप में हमारा हमेशा सम्मान करते थे !

बच्चे के प्रति उन्होने अपनी जिम्मेदारी व प्रतिबद्धता निभाये करते रहते थें।जब वे मिलते थें तो अतिथि धर्म का पालन करते उनके सम्मान व खान पीने का विशेष ध्यान रखते थें।बेंदी साहब स्वयं खानें पीने वहुत शौकीन थें।जब कोई उनसे मिलने आते है।उनके ना केवल समान करते ब्लकि एक खुशनुमा माहोल मे हर तरह के मदद करने मे पीछे नही रहते थे।एक बार कहानी है,जब मै स्वयं उनसे मिलने आए थे।आप को बताना चाहूंगा कि जब उस समय अध्यन के लिए अपने घर से दुर रहते है।हास्टल में नास्ते मे डब्ल रोटी मिलते थें।जिससे खा-खा कर मन उब जाता था।ऐसे में कभी कभी एकआई पी एस के पुलिश अधिकारी(एस एस पी)के घर पर पराठे खाने मिलते है।उनसे मिलने का बहाने मात्र रहता था।घर का खाना मुख्य मकशद होता था।ये मिसेजे बेंदी का था।कानपुर में थोडी सी मोहलत मिली थी।

मुझे गर्व है बेदी साहब की पुत्री व पुस्तक के लेखिका प्रीति से ' जिन्होनें मुझे बड़े भाई के रूप हमेशा सम्मान दिया करती है।मेरा बेदी परिवार से पारिवारिक अच्छे सम्बन्ध रहा है।पिता-पुत्री का ये अनोखा अटूट सम्बन्ध समाज एक संदेश देता है।ज्यादातर पिता अपने पुत्र का होता है।लैकिन बेंदी साहब अपने बेटी के अच्छे पिता थें।ऐसे में मुझे महशुर शायर मीर साहब की एक शेर याद आ रही है खाक फलक व इंसान के संदर्भ में सही कहा कि- "जब आसमा में बर्षो से बर्षो तक बढता है तब खाक से फलक से खास इंसान निकल कर इस जमीं पर आता है।मानव को उसके जीवन के उद्देश्य पुरा करने का सीख देता है।डाङ्क बलवीर सिंह बेदी जी भी ऐसे ही नेक इंसान व अच्छे पिता है !वे अभी स्वास्थ्य लाभ ले रहे है।अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक पुत्री द्वारा अपने आई पी एस पिता के जीवन पर आधारित बायोग्राफी लिख कर यह साबित कर ती है।आज की बेटी बेटे से किसी भी मयाने में पीछे नही है।

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को नमन ' वंदन व अभिनन्दन ।

अंत में अपने पाठकों से यह कहते हुए विदा लेते है कि

ना ही काहूँ सें दोस्ती , ना ही काहूँ से बैर । खबरी लाल तो माँगे सबकी खैर ॥

अब पुतिन खुद बात करें जेलेंस्की से

यूक्रेन से हजारों भारतीय सुरक्षित लौट आए, यह खुशखबर है। रूस और यूक्रेन ने उन्हें बाहर निकलने के लिए सुरक्षित बरामदा दे दिया है। बदले में भारत इस वक्त यूक्रेन और रूस दोनों की मदद करे, यह जरुरी है। यह काम न अमेरिका कर सकता है, न चीन और न ही अन्य यूरोपीय राष्ट्र, क्योंकि वे इस या उस पक्ष से जुड़े हुए हैं। रूसी हमले को अब दो सप्ताह होने को आए हैं। अब दोनों देशों का दम फूलने लगा है। रूस में भी हजारों लोग पूतिन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और उधर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अब ऐसा बयान दे दिया है कि उसे वह महिने-दो महिने पहले दे देते तो रूसी हमले की नौबत ही नहीं आती। उन्होंने न सिर्फ नाटो के जबानी-जमा-खर्च की पोल खोल दी बल्कि अपनी गलती भी स्वीकार की। उन्होंने नाटो के फुसलावे में आकर रूस से झगड़ा मोल ले लिया। अब उन्होंने एबीसी टीवी को दिए गए एक इंटरव्यू में साफ-साफ कह दिया है कि यूक्रेन के नाटो में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। नाटो किस काम का है? उसने यूक्रेन का इतना-सा निवेदन भी नहीं माना कि वह यूक्रेन के हवाई-क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दे ताकि रूसी विमान यूक्रेन पर बम न बरसा सकें। वे ऐसे देश के राष्ट्रपति नहीं बने रहना चाहते हैं, जो घुटने टेक कर अपनी सुरक्षा की भीख मांगे। झेलेंस्की ने दोनबास क्षेत्र के दो जिलों को स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की रूसी घोषणा की दो-टूक भर्त्सना नहीं की। उन्होंने कहा कि दोनेत्स्क और लुहांस को रूस के अलावा किसी ने भी मान्यता नहीं दी है। इन दोनों क्षेत्रों के

भविष्य के बारे में भी हम बातचीत कर सकते हैं। लेकिन वहां के निवासियों में जो लोग यूक्रेन के साथ रहना चाहते हैं, उनके बारे में भी सोचना होगा। झेलेंस्की के इस बयान के बावजूद यदि पूतिन अपनी जिद पर डटे रहते हैं तो अनेक तटस्थतावादी देशों और बुद्धिजीवियों के बीच उनकी छवि विकृत होती चली जाएगी। इस समय जो चीन बराबर रूसी रवैए के प्रति सहानुभूति दिखाता रहा है, उसने भी रूस से अपील की है कि वह संयम का परिचय दे। तुर्की और चीन भी अब मध्यस्थता की कोशिश में लगे हैं। आशंका यही है कि कहीं पाकिस्तान के इमरान खान इस मामले में हमारे नरेंद्र मोदी से आगे न निकल जाएं। वे हमले के वक्त मास्को में पूतिन के मेहमान भी थे और भारत की तरह वे तटस्थ भी रहे हैं। जहां तक झेलेंस्की का सवाल है, उनकी हिम्मत की दाद देनी पड़ेगी। वे अफगानिस्तान के अशरफ गनी की तरह देश छोड़कर भागे नहीं हैं। न ही वे कहीं जाकर छिप गए हैं। इस वक्त वे जहां रह रहे हैं, उस स्थान का पता उन्होंने खुद ही सार्वजनिक कर दिया है। ऐसे झेलेंस्की से अब बात करने में पूतिन को कोई एतराज क्यों होना चाहिए?

कुशल प्रशासक तथा अजेय राजनीतिज्ञ थे स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया

भारतीय राजनीति में ऐसे बहुत कम व्यक्तित्व रहे हैं जो सत्ता में रहे बिना भी जनता के बीच समान रूप से लोकप्रिय रहे हो ऐसे ही विशिष्ट छवि वाले राजनीतिज्ञों में स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी का नाम लिया जा सकता है जिन्होंने राजनीतिक जीवन को राजनीतिक मापदंडों आदर्शों एवं नैतिकता के बंधनों में बंद कर व्यतीत किया राजनीति उनके लिए व्यवसाय नहीं वरन जन सेवा करने का माध्यम थी माधवराव सिंधिया जी का जन्म 10 मार्च 1945 को मुंबई में हुआ था ग्वालियर में सिंधिया स्कूल से लेकर ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में उनकी शिक्षा हुई वर्ष 1971 में जनसंघ के टिकट पर गुना से लोकसभा चुनाव जीते तब से लेकर 1999 के तेरहवीं लोकसभा चुनाव तक लगातार 9 बार संसद में पहुंचते रहे अपने वैचारिक मतभेदों के चलते कुछ वर्षों के भीतर ही उन्होंने जनसंघ त्यागकर कांग्रेस में प्रवेश किया और अपने मृत्यु पर्यंत तक वे कांग्रेस के सिद्धांतों एवं आदर्शों की डोर से बंधे रहे 1996 में गलत रूप से हवाला कांड में नाम आ जाने के कारण मध्य प्रदेश विकास कांग्रेस का गठन कर इसी दल के बैनर तले चुनाव लड़ा परंतु कांग्रेस के सिद्धांतों से दूर नहीं हुए अपनी निर्दोषिता साबित करने के लिए उन्होंने जनता की अदालत में जाने का निश्चय किया जनता ने उन्हें लाखों मतों के अंतर से विजई बनाकर निर्दोष होने का प्रमाण पत्र दे दिया बाद में न्यायालय ने भी निर्दोष घोषित किया अपनी माता राजमाता सिंधिया से वैचारिक मतभेद के चलते मां बेटे के रास्ते अलग होने के बावजूद भी उन्होंने अपनी मातृभूमि में लेश मात्र भी कमी नहीं आने दी जब भी पत्रकारों ने माता से मतभेदों के बारे में पूछा उन्होंने गंभीरता पूर्वक इस मुद्दे पर बोलने से इंकार कर दिया एक पुत्र का अपनी मां से यह विलगाओ उन्हें जीवन पर्यंत कचोटता रहा इस पर भी उन्होंने अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को तिलांजलि नहीं दी उनका यह दृढ़ विश्वास था कि भारत जैसे बहु धर्मी बहुभाषी राष्ट्र में हम वर्ग विशेष को प्रोत्साहन एवं समर्थन देकर देश की एकता अखंडता को अक्षुन्य नहीं कर सकते सांप्रदायिकता के मुद्दे पर उन्होंने बेलाग अपना मंतव्य प्रकट किया जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें कई बार राजनीतिक रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ा पर इन कट्टरपंथी ताकतों के सामने उन्होंने कभी हार मान कर अपनी प्रतिबद्धता को नहीं छोड़ा सामाजिक समरसता और सांप्रदायिकता उनकी सैद्धांतिक निष्ठा में सर्वोपरि थे सिंधिया की यह दृढ़ मान्यता थी कि अच्छा शासन तभी संभव है जब सरकार मूल आधारित एवं जनता हित साधक दृष्टिकोण रखकर काम करने वाली हो सिंधिया चाहते थे कि भारत अतीत की सारी अच्छाइयों का अनुसरण करें और भविष्य की तरफ अग्रसर रहें ऐसा समाज जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो परंतु अपने कर्तव्य निर्वहन से पीछे ना हटे सिंधिया भारत में समृद्ध एवं सामाजिक संघर्ष से मुक्त समरसता पूर्ण समाज की स्थापना करना चाहते थे।

इस होली मावा गुझिया नहीं मेहमानों को बनाकर खिलाएं आलू गुझिया

रंगों का त्योहार होली बस कुछ ही दिन दूर है। ऐसे में लोगों ने घर आने वाले मेहमान और परिजनों के स्वागत के लिए अलग-अलग डिश का मेन्यू तैयार कर रखा होगा। होली के फूड मेन्यू में एक चीज जरूर शामिल होती है और वो है गुझिया। लेकिन हर साल की तरह अगर आप भी मीठी गुझिया खाते-खाते बोर हो गए हैं तो इस साल ट्राई करें आलू गुझिया। यह स्नैक्स रेसिपी आपके त्यौहार का मजा दोगुना कर देगी।

आलू गुझिया बनाने के लिए आवश्यक सामग्री-

-मैदा- 4 कटोरी
- बड़े आलू-4
- लाल मिर्च पाउडर- 1 /2 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- अमचूर पाउडर -1/2 चम्मच
- गरम मसाला-1 चम्मच
- तेल-आवश्यकतानुसार
- जीरा-1/2 चम्मच

आलू गुझिया बनाने का तरीका-

आलू गुझिया बनाने के लिए सबसे पहले मैदा में नमक और आवश्यकतानुसार तेल डाल कर अच्छी तरह से गूंथ लें। मैदा को अच्छी तरह से हाथ से मसलते हुए थोड़ा गुनगुना पानी डालकर गूथें। इस डो को कॉटन के हल्के गीले कपड़े से ढककर रख दें। आलू को छोटे छोटे आकार में काट लें फिर एक कढ़ाई में तेल गर्म करें। तेल में जीरा,नमक लाल मिर्च, अमचूर पाउडर डालें और उसमें कटे हुए आलू डालें।

ऊपर से गर्म मसाला डालें और ढककर पकने दें। आलू पकने पर गैस बंद करें और भरावन को ठंडा होने दें।आलू के ठंडा होने पर मैदा की एक लोई लेकर पूड़ी के आकार में बेल लें। इस लोई में आलू का मिश्रण भरें और पूड़ी के किनारे थोड़ा पानी लगाकर गुजिया का आकर देते हुए बंद कर दें। एक-एक करके सारी गुजिया तैयार करें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और सारी गुजिया को सुनहरा होने तक तलें। हरी चटनी, चाय व सॉस के साथ गरमा -गरम सर्व करें।

मलाई पनीर की ये सीक्रेट रेसिपी दिन बना देगी खास ,खाने वाला हर शख्स कहेगा स्वाद है लाजवाब

घर पर कोई मेहमान आना हो या फिर कुछ अच्छा खाने का हो मन, मलाई पनीर सदाबहार रेसिपी है। यह लंच और डिनर में परोसी जाने वाली रेसिपी है। जो खाने में तो स्वादिष्ट होती ही है साथ ही बनाने में भी बड़ी आसान रेसिपी है। तो आइए जानते हैं कैसे बना सकते हैं रेस्टोरेंट स्टाइल मलाई पनीर।

मलाई पनीर बनाने के लिए सामग्री-

-पनीर - 250 ग्राम -प्याज (कटा हुआ) - 1 -लहसुन-अदरक का पेस्ट - 1 चम्मच क्रीम (मलाई) - 1/2 कप धनिया पाउडर - 1 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच हल्दी - 1/4 चम्मच गरम मसाला - 1/4 चम्मच कसूरी मेथी - चुटकीभर नमक स्वादानुसार - तेल - जरूरत के अनुसार-

मलाई पनीर बनाने की विधि -

मलाई पनीर बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को चौकोर टुकड़ों में काटकर अलग रख लें। अब एक मीडियम आंच पर एक पैन में तेल गर्म करके इसमें प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूरा होने तक तलें। जब यह पेस्ट तेल छोडने लगे तब आंच धीमी कर इसमें धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी डालकर चलाएं। इसके बाद कुछ सेकेंड मसालों को पकाने के बाद इसमें पनीर के टुकड़े डालकर मिलाएं। इसके बाद ग्रेवी को क्रीम डालकर 2 से 3 मिनट तक मीडियम आंच पर पका लें।अब पनीर में नमक, गर्म मसाला और कसूरी मेथी डालकर मिक्स करके गैस बंद कर दें। आपकी टेस्टी मलाई पनीर सर्व करने के लिए तैयार है।

सुबह सिर्फ एक गिलास पानी पीने से करें दिन की शुरूआत

तिहाई हिस्से में पानी है। शरीर को ठीक से काम करने और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पानी का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। पानी हमारे लिए बहुत जरूरी है, हम पृथ्वी पर पानी के बिना जीवन जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते। हमारे शरीर को पानी की जरूरत केवल प्यास बुझाने के लिए ही नहीं होती है, बल्कि पानी हमारे पूरे शरीर के कामकाज को बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की जरूरत होती है।

विशेषज्ञों की मानें तो मानव शरीर लगभग 70 प्रतिशत तक पानी से बना हैं। मनुष्य के शरीर के अधिकतर अंगों में पानी पाया जाता है। बेहद कम लोग जानते होंगे, लेकिन ठोस और कड़ी महसूस होने वाली हमारी हड्डियों में भी 22% पानी होता है। हमारे दांतों में 10%, स्किन में 20%, दिमाग में 74.5%, मांसपेशियों में 75.6% जबकि खून में 83% पानी होता है।

हम यहां आपको बता रहे हैं कि पानी का हमारे जीवन में क्या महत्व है, यह हमारे स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है, और सुबह खाली पेट पानी पीना आपके स्वास्थ्य के लिए कैसे लाभकारी है।

सुबह की शुरूआत 1 गिलास पानी से करना क्यों जरूरी है

विशेषज्ञ बताते हैं, सुबह की शुरूआत 1 गिलास पानी से करने से, न सिर्फ पेट की सफाई करने में मदद मिलती है, बल्कि यह लंबे समय में कई बीमारियों के जोखिम को कम करता है। वहीं दूसरी ओर सुबह खाली पेट पानी पीना आपके कोलन को शुद्ध करता है। साथ ही यह पोषक तत्वों को ठीक से अवशोषित करने के लिए पेट की क्षमता में सुधार करता है।

पानी आपके रक्त से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिसका प्रभाव आपकी त्वचा पर भी देखने को मिलता है।

आपको दिन में कितना पानी पीने की जरूरत है

हर दिन आप अपनी सांस, पसीना, मूत्र और मल त्याग के माध्यम से अपने शरीर से पानी को बाहर निकाल देते हैं। आपके शरीर को ठीक से काम करने के लिए, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की जरूरत होती है।

अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंजीनियरिंग और मेडिसिन के अनुसार हर रोज आवश्यक पानी की मात्रा है

पुरुषों के लिए एक दिन में लगभग 15.5 कप (3.7 लीटर) तरल पदार्थ

महिलाओं के लिए एक दिन में लगभग 11.5 कप (2.7 लीटर) तरल पदार्थ

विशेषज्ञ दिन में कम से कम 8 गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। इसे याद रखना आसान है और यह एक उचित लक्ष्य है।

पानी आपके स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है

1. यह जोड़ों को चिकनाई देता है

जोड़ों में पाया जाने वाला कार्टिलेज और रीढ़ की हड्डी में लगभग 80 प्रतिशत पानी होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन जोड़ों की पानी को अवशोषित करने की क्षमता को कम कर सकता है, जिससे जोड़ों में दर्द हो सकता है।

2. यह लार और बलगम बनाता है

लार हमें हमारे भोजन को पचाने में मदद करती है और मुंह, नाक और आंखों को नम रखती है। यह घर्षण और क्षति को रोकता है। पानी पीने से भी मुंह साफ रहता है।

3. यह पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है

रक्त का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पानी है और रक्त शरीर के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सीजन ले जाता है।

4. यह त्वचा के स्वास्थ्य और सुंदरता को बढ़ाता है

डिहाइड्रेशन के साथ, त्वचा स्किन डिसऑर्डर और समय से पहले झुर्रियों की चपेट में आ सकती है।

5. यह मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी और अन्य संवेदनशील ऊतकों के लिए जरूरी है

डिहाइड्रेशन मस्तिष्क की संरचना और कार्य को प्रभावित कर सकता है। यह हार्मोन और न्यूरोट्रांसमीटर के उत्पादन में भी शामिल है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन सोच और तर्क के साथ समस्याएं पैदा कर सकता है।

6. यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है

पानी जो त्वचा की मध्य परतों में जमा होता है, शरीर के गर्म होने पर त्वचा की सतह पर पसीने के रूप में आता है। जिससे शरीर को ठंडा होने में मदद मिलती है।

7. पाचन तंत्र इस पर निर्भर करता है

आंत्र को ठीक से काम करने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। डिहाइड्रेशन से पाचन संबंधी समस्याएं जैसे, कब्ज और पेट में अम्ल की अधिकता हो सकती है। इससे हार्टबर्न और पेट के अल्सर का खतरा बढ़ जाता है।

8. यह शरीर के अपशिष्ट को बाहर निकालता है

मूत्र, मल और शरीर से पसीना बाहर निकालने की प्रक्रियाओं में पानी की आवश्यकता होती है।

9. यह रक्तचाप को बनाए रखने में मदद करता है

पानी की कमी से रक्त गाढ़ा हो सकता है, जिससे रक्तचाप बढ़ सकता है।

10. यह किडनी डैमेज को रोकता है

किडनी शरीर में तरल पदार्थ को नियंत्रित करती है। अपर्याप्त पानी से किडनी की पथरी और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

सुबह खाली पेट पानी पीने के फायदे

सुबह खाली पेट पानी से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। पेट को साफ रखने में मदद मिलती है। सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने से रक्त वाहिकाएं चौड़ी हो जाती है और आंतों में रक्त प्रवाह बढ़ जाता है, जिससे पाचन तंत्र और बेहतर तरीके से काम करने लगता है।

गर्म पानी पीना दर्द से आराम दिलाने में भी सहायक है। खासतौर पर अगर आप पेट दर्द से परेशान हैं तो सुबह खाली पेट गर्म पानी असरदार तरीके से राहत देता है।

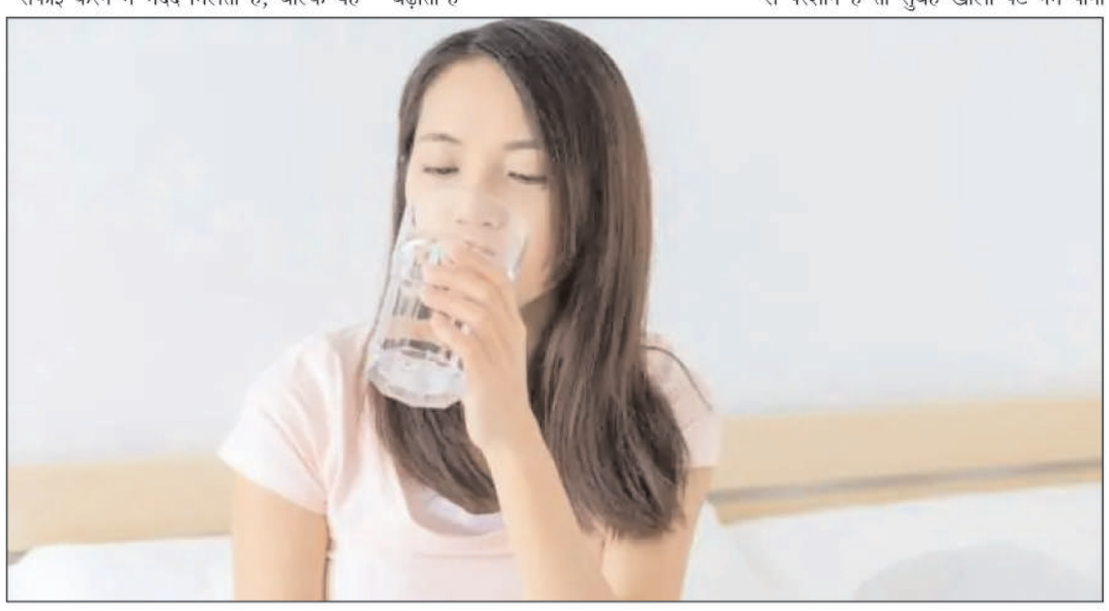

रोजाना सुबह सिर्फ एक गिलास गर्म पानी पीने से पेट के सारे हानिकारक टॉक्सिन बाहर निकल जाते हैं और पेट लम्बे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। जिसकी वजह से आप बेवजह कुछ खाने से बच जाते हैं। रोजाना ऐसा करने से जल्दी ही वजन कम होने लगता है।

सुबह उठने के बाद अगर आप सबसे पहले पानी पीते हैं, तो दिमाग में ऑक्सीजन की बेहतर सप्लाई होती है। ऐसा करने से दिमाग दिन भर एक्टिव और फ्रेश रहता है।

खाली पेट पानी पीने से त्वचा अंदर से साफ हो जाती है। सिर्फ इतनी ही नहीं, इससे ?किन भी हाइड्रेट होती है और उसकी नमी बनी रहती है।पानी शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है

इन घरेलु नुस्खों से बनाएं फटी एड़ियों को कोमल

अक्सर हम अपने चेहरे व बालों की खूबसूरती पर ध्यान तो देते हैं, लेकिन पैरों की परेशानियों को नजरअंदाज कर देते हैं। स्किन एक्सपर्ट्स के अनुसार हमारी एड़ियां दूसरे हिस्सों की तुलना में ज्यादा ड्राई होती है क्योंकि इसमें किसी भी तरह के नैचुरल ऑयल मौजूद नहीं होता। वैसे तो यह कई बार अपने आप भी ठीक हो जाती है। लेकिन कई बार लापरवाही की वजह से हमें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ जाता है। कुछ मामलों में ये गंभीर रूप भी ले सकती है जैसे पैरों में दर्द और, इन्फेक्शन, फटी एड़ियों से खून आना, आदि। हमें समय रहते ही इससे निजात पाने की जरूरत है।

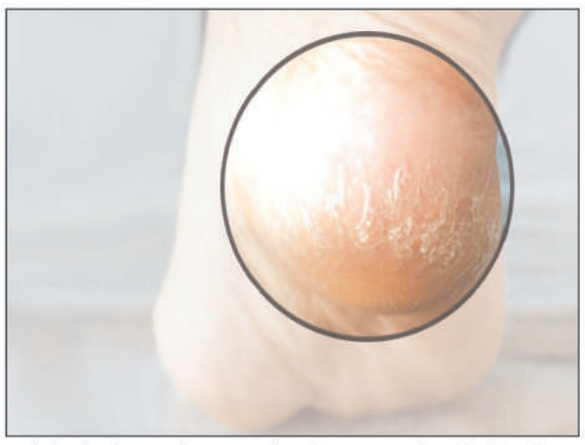

यदि आप भी फटी एड़ियों व दर्द की समस्या से परेशान है तो नजर डाल लेते हैं कुछ ऐसे अचूक इलाज के बारे में, जो जल्द ही आपको राहत दिलाएंगी-

शहद-केले का पेस्ट लगाएं

आपकी फटी एड़ियों को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए केला और शहद का मास्?क लगाएं। इसके लिए आपको एक पके हुए केले को मैश कर उसमें 2 चम्?मच शहद मिलाना है। और फिर इसे अपनी फटी एड़ियों पर लगाना है। आप चाहें तो इसमें एवोकाडो भी मिला सकते हैं। 30 मिनट तक इसे पैरों पर लगा रहने दें। यह पैक एक नैचुरल मॉस्चराइजर के रूप में काम करेगा और आपकी क्रेक्ड हील्स को ठीक करेगा।

गुलाब और दूध का इस्तेमाल करें

फटी एड़ियों को ठीक करने के लिए आप पैरों को रोज व मिल्क बाथ दे सकते हैं। इसके लिए एक छोटे टब में ठतना गर्म पानी लें, जितना आपकी एड़ियां पानी में डूब जाएं। फिर इसमें 1 या आधा कप दूध डालें और कुछ गुलाब की पंखुड़ियों और नीम के पत्तों को भी डालें। साथ ही, 4-5 बूंदे कोई भी एसेंशियल ऑयल की डालकर पैरों को डुबो दें। लगभग 20 से 30 मिनट के लिए अपने पैरों को रखें और फिर पैरों को हल्का-हल?का रब करें। यह आपकी क्रेक हील्स की डेड स्किन को हटाकर एड़ियों को मुलायम बनाएगा।

सिरका और माउथवॉश सल्यूशन

यह एक कारगर उपाय है, आपकी फटी एड़ियों को ठीक करने का। यह पैरों में मौजूद फंगस को निकालकर, स्किन को आराम देता है। इसके लिए आपको एक टब या बाल्टी में एक कप सिरका, एक कप माउथवॉश और थोड़ा पानी डालें। फिर 15 से 20 मिनट तक अपनी एड़ियों को इसमें डुबाकर रखें। फिर इसे सुखा कर, पैरों को मॉस्चराइज करें। ऐसा नियमित करने से यह समस्या जल्दी ठीक हो जाएगी।

प्यूमिक स्टोन का उपयोग

यह स्टोन खुरदुरी व डेड स्किन को हटाता है और फटी एड़ियों को सॉफ्ट करने में मदद करता है। यह स्क्रबिंग, फटी एड़ियों और कई स्किन प्रॉब्लम के लिए उपयोग किया जाता है। इसके इस्तेमाल के लिए पहले आप बाल्टी या टब में पानी और शैम्पू डालकर झाग बनाएं और कुछ देर अपनी एड़ियों को भिगो लें। इसके बाद अपने पैरों को प्यूमिक स्टोन से थोड़ा-थोड़ा घिसें। साथ ही, आप इसमें 1 चम्मच नमक और 1 चम्मच जैतून का तेल मिलाकर भी पैरों पर रब कर सकते हैं। यह प्रोसेस आप दूसरे या तीसरे दिन करें, जल्द ही आपको फटी एड़ियों से राहत मिल जाएगी।

नहाने के पानी में मिलाएं यह चीजें, स्किन और सेहत की समस्याएं होंगी दूर

आप अपने बाथटब में एक कप ऑलिव ऑयल मिक्स करें और दस मिनट के लिए खुद को उसमें सोक करें। जैतून का तेल प्राकृतिक वसा से समृद्ध होता है जो शुष्क त्वचा को हाइड्रेट करता है। इसलिए अगर आपकी स्किन रूखी है तो आप ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

आमतौर पर शरीर की गंदगी व थकान को दूर करने के लिए हम सभी प्रतिदिन नहाते हैं। लेकिन यह सिर्फ स्किन पर जमी हुई गंदगी को ही दूर करने का काम नहीं करता, बल्कि यह आपकी स्किन व सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी हो सकता है। बस जरूरी है कि आप नहाने के पानी को यूं ही इस्तेमाल करने की जगह इसमें कुछ चीजों को मिलाएं। यह आपके बाथ टाइम को अतिरिक्त यूजफुल बनाएंगे। साथ ही स्किन व सेहत की कई समस्याओं को भी दूर करेंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में-

अदरक

अगर आपको सर्दी या बलगम की समस्या है या फिर आपकी मांसपेशियों में दर्द हो रहा है तो ऐसे में आप एक टेबलस्पून ताजा अदरक काटकर नहाने के पानी में मिक्स कर सकते हैं। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि अदरक बाथ के कारण आपको अतिरिक्त पसीना निकल सकता है, इसलिए जब आप अदरक बाथ लें तो खुद को हाइडेटेड रखें।

मिलाएं लैवेंडर

इसके लिए आप लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदे बाथ वाटर में मिक्स करें। या फिर सूखे लैवेंडर को मस्लिन क्लॉथ में रैप करके बाथ वाटर में मिलाएं। यह तनाव, मसल्स पेन या सूजन के अलावा आपकी बॉडी को महकाता है। साथ ही स्किन को डिटॉक्सिफाई करता है और एक्ने की समस्या को भी काफी हद तक दूर करता है।

ऑलिव ऑयल

आप अपने बाथटब में एक कप ऑलिव ऑयल मिक्स करें और दस मिनट के लिए खुद को उसमें सोक करें। जैतून का तेल प्राकृतिक वसा से समृद्ध होता है जो शुष्क त्वचा को हाइड्रेट करता है। इसलिए अगर आपकी स्किन रूखी है तो आप ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि, अगर आपकी स्किन एक्ने-प्रोन है या फिर आपको अक्सर अपनी छाती या पीठ पर ब्रेकआउट का अनुभव होता हैं। तो इसका इस्तेमाल करने से बचें। साथ ही जब आप बाथटब से बाहर आएं तो थोड़ा सावधान रहें, क्योंकि उस समय आपको फिसलन हो सकती है।

ओटमील

एक मस्लिन क्लॉथ में आप ओटमील डालकर उसे बांधें और उसका इस्तेमाल अपने बाथटब मे करें।

यह रूखी व इची स्किन से निजात दिलाएगा और आपकी स्किन को अधिक मुलायम बनाएगा। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि आप सीधे ही ओटमील को बाथटब में ना डालें, अन्यथा पानी काफी मैसी हो जाएगा और आपको परेशानी होगी।

आप अपने बाथटब में एक कप ऑलिव ऑयल मिक्स करें और दस मिनट के लिए खुद को उसमें सोक करें। जैतून का तेल प्राकृतिक वसा से समृद्ध होता है जो शुष्क त्वचा को हाइड्रेट करता है। इसलिए अगर आपकी स्किन रूखी है तो आप ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।आमतौर पर शरीर की गंदगी व थकान को दूर करने के लिए हम सभी प्रतिदिन नहाते हैं। लेकिन यह सिर्फ स्किन पर जमी हुई गंदगी को ही दूर करने का काम नहीं करता, बल्कि यह आपकी स्किन व सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी हो सकता है। बस जरूरी है कि आप नहाने के पानी को यूं ही इस्तेमाल करने की जगह इसमें कुछ चीजों को मिलाएं। यह आपके बाथ टाइम को अतिरिक्त यूजफुल बनाएंगे।

आयुर्वेद का नीरी केएफटी रखेगा गुर्दों को स्वस्थ

■ लखनऊ (आईएएनएस)।

लगातार मधुमेह (शुगर) के मरीजों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए गुर्दे की बीमारी का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में आयुर्वेद पद्धति से की जाने वाली चिकित्सीय व्यवस्था ज्यादा कारगर साबित होने वाली है। इससे गुर्दे स्वस्थ होंगे और मरीजों का जीवन भी आसान होगा। चिकित्साविदों की मानें तो आयुर्वेद में वर्णित जड़ी-बूटियों के इस्तेमाल से लंबे समय तक गुर्दों को स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के डीन प्रोफेसर केएन द्विवेदी के अनुसार पुनर्नवा, गोक्षुर, वरूण, गुडुची, कासनी, तुलसी, अश्वगंधा तथा आंवला जैसी औषधियों के सेवन से गुर्दे की क्रियाप्रणाली में सुधार होता है। इससे गुर्दे से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है और यदि कोई विकार भी हो तो उसे ठीक करने में सहायक होती है। इन्हीं जड़ी-बूटियों से बने आयुर्वेद फार्मूले नीरी-केएफटी का मरीजों पर प्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। उन्होंने बताया कि नीरी केएफटी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर किडनी को शक्ति प्रदान करती है। इसमें कुल 20 बूटियां शामिल हैं, जिसमें से वरुण मरीजों में क्रिएटिनिन के स्तर को घटाता है। वहीं गोकक्षुरु, जिसे गोखरू भी कहा जाता है, यह नेफ्रॉन की क्षमता को बूस्ट करती है। जिससे गुर्दे की छानने की प्रक्रिया बेहतर होती है। प्रो. द्विवेदी ने बताया कि मरीजों में यह देखा गया है कि नीरी केएफटी के इस्तेमाल से गुर्दा रोगियों में डायलिसिस का खतरा टल जाता है तथा जो डायलिसिस पर हैं, उनके डायलिसिस चक्र में कमी दर्ज की गई है।

बीएचयू के प्रोफेसर का दावा

- इसमें कुल 20 बूटियां शामिल हैं, जिसमें से वरुण मरीजों में क्रिएटिनिन के स्तर को घटाता है
- नीरी केएफटी के इस्तेमाल से गुर्दा रोगियों में डायलिसिस का खतरा टल जाता है

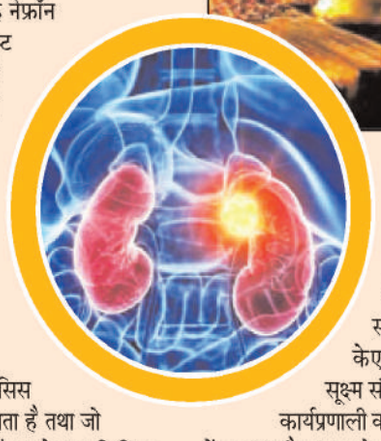

पांच साइंस जर्नल-साइंस डायरेक्ट, गुगल स्कालर, एल्सवियर, पबमेड और स्प्रिंजर में प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार नीरी केएफटी का समय रहते इस्तेमाल शुरू हो जाए तो गुर्दों को फेल होने से बचाया जा सकता है। नीरी केएफटी किडनी की सूक्ष्म संरचना और कार्यप्रणाली का उपचार करने में कारगर है तथा इसके सेवन से गुर्दे के रोगियों में क्रिएटिनिन, यूरिया और यूरिक एसिड की मात्रा में कमी आई है। अध्ययनों में नीरी केएफटी ऑक्सीडेटिव और इंफ्लामेंट्री स्ट्रैस को भी कम करने में कारगर पाई गई है। शरीर के संक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए यह जरूरी है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस तब होता है जब शरीर में एंटी आक्सीडेंट और फ्री रेडिकल तत्वों का तालमेल बिगड़ जाता है जिससे शरीर की पैथोजन के खिलाफ लड़ने की क्षमता घटने लगती है। जबकि इंफ्लामेंट्री स्ट्रैस बढ़ने से भी शरीर का प्रतिरोधक तंत्र किसी भी बीमारी के खिलाफ नहीं लड़ पाता है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार करीब 15 फीसदी लोग गुर्दे की बीमारी की चपेट में हैं। भारत में मधुमेह एवं उच्च रक्त चाप से ग्रस्त करीब 40 फीसदी लोग क्रोनिक किडनी डिजीज की बीमारी से जूझ रहे हैं।

सतपाल महाराज ने फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को ट्रैक्स फ्री करने का दिया सुझाव

देहरादून (आईएएनएस)। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भाजपा शासित राज्यों में निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्मित फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को टैक्स फ्री करने का सुझाव दिया है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी इस फिल्म को टैक्स फ्री करने का अनुरोध किया है। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को राजभवन में बसंतोत्सव पर आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से हुई मुलाकात में उन्होंने 11 मार्च 2022 को रिलीज हो रही फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को टैक्स फ्री करने का अनुरोध किया।

महाराज ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक पत्र लिखकर सुझाव दिया कि 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के पलायन की ऐतिहासिक घटना पर आधारित निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्मित फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को भाजपा शासित सभी राज्यों में टैक्स फ्री किया जाए। उन्होंने कहा कि 1990 में जम्मू कश्मीर में हुआ नरसंहार और कश्मीरी पंडितों का पलायन एक ऐतिहासिक और हृदय विदारक घटना होने के साथ-साथ भारतीय राजनीति का अहम और संवेदनशील मुद्दा भी है। इसे पर्दे पर उतारना निश्चित रूप से एक सराहनीय प्रयास है। जम्मू-कश्मीर के पलायन पर आधारित फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को देखकर कश्मीरी पंडितों की उस समय की स्थिति एवं परिस्थितियों को भली-भांति समझा जा सकता है।

अमीश त्रिपाठी की पुस्तक श्रृंखला पर बनने वाली सीरीज का निर्देशन करेंगे शेखर कपूर

मुंबई (भाषा)। लेखक अमीश त्रिपाठी की मशहूर पुस्तक श्रृंखला 'शिव ट्रिलॉजी' पर आधारित सीरीज का निर्देशन शेखर कपूर करेंगे। 'शिव ट्रिलॉजी' को पाठकों और समीक्षकों दोनों ने काफी सराहा है। यह वैश्विक स्टूडियो 'इंटरनेशनल आर्ट मशीन' की पहली सीरीज होगी, जिसने बुधवार को भारतीय बाजार में कदम रखने की घोषणा की थी। फिल्म के लिए अभी तक प्रीति जिंटा और दिबाकर बनर्जी का चयन किया गया है।

भगवान शिव पर आधारित त्रिपाठी की इस तीन किताबों की श्रृंखला में से सबसे पहली किताब 'द इमोर्टल्स ऑफ मेलुहा' 2010 आई थी। श्रृंखला की अन्य दो किताबें 'द सीक्रेट ऑफ नागाज़' और 'द ओथ ऑफ द वायुपुत्र' क्रमशः 2011 और 2013 में आई थी। पहली किताब 'द इमोर्टल्स ऑफ मेलुहा' को एक डिजिटल शो के रूप में पेश किया जाएगा, जिसका निर्देशन कपूर करेंगे। सुपर्ण एस वर्मा भी इस सीरीज का निर्देशन करेंगे। कपूर ने कहा कि वह 'शिव ट्रिलॉजी' का निर्देशन करने को बेहद उत्साहित हैं, जिसे हर पीढ़ी में लोकप्रिय किताब माना जाता है। वहीं, वर्मा ने कहा कि यह काफी चुनौतीपूर्ण काम होगा, क्योंकि ऐसा कुछ पहले कभी नहीं बनाया गया। वहीं, त्रिपाठी ने कहा कि वह काफी उत्साहित हैं और उन्हें भरोसा है कि ऐसी टीम के साथ हम एक ऐसी वेब सीरीज बनाएंगे जो भगवान शिव की आभा के साथ न्याय करेगी।

'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' शो ने पूरे किए 100 एपिसोड

■ मुंबई (आईएएनएस)।

अभिनेत्री अदिति सजवान के शो 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' ने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। अदिति भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित पौराणिक नाटक में यशोदा का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, "आज 'जय कन्हैया लाल की' ने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। हालांकि यह सिर्फ एक छोटा कदम है, हम इस दिन को एक यादगार बनाने के लिए प्रत्येक कलाकार के प्रयास और समर्पण को जानते और समझते हैं। यह शो मेरे लिए एक बच्चे की तरह है, मैं कृष्ण की बचपन की कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हूं।"

'मेरी डोली तेरे अंगना' की अभिनेत्री ने आगे कहा, "मैंने अपने करियर में दो बार इस किरदार को निभाया है। इसलिए, यह उपलब्धि एक बड़ी जीत की तरह लगती है। मैं अपने निमार्ताओं, प्रशंसकों और शो से प्यार करने वाले दर्शकों का बहुत आभारी हूं।" सिद्धार्थ कुमार तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में अदिति सजवान, हेजल कौर, सुमेध मुद्गलकर और मल्लिका सिंह जैसे कलाकार हैं। 'हाथी घोड़ा पाल की जय कन्हैया लाल की' शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

बॉडी शेमिंग पर शो बनाना समय की जरूरत : लक्ष्य

■ मुंबई (आईएएनएस)।

स्टार प्लस पर प्रसारित हो रहे शो 'चीकू-ये इश्क नचाय' का हिस्सा रहे अभिनेता लक्ष्य खुराना का कहना है कि बॉडी शेमिंग पर शो बनाना समय की जरूरत है। धनुष की भूमिका निभाने वाले अभिनेता का कहना है कि उन विषयों पर शो बनाना महत्वपूर्ण है जिनसे लोग संबंधित हो और कुछ सीख सकें।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस तरह के कंटेंट वास्तव में काम करते है, लोग इससे संबंधित भी हो सकते हैं और मुझे लगता है कि इससे यह संदेश जाएगा कि बॉडी शेमिंग सही नहीं है। बॉडी शेमिंग आजकल बहुत सामान्य हो गया है। लोग किसी को भी 'मोटी-मोटा' कह रहे हैं, लेकिन यह सही नहीं है। आप लोगों को इस आधार पर आंक रहे हैं कि वे कैसे दिखते हैं, पर ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। हमारी भारतीय संस्कृति में, यह स्वीकार्य नहीं है।

यही कारण है कि इस कहानी ने मुझे वास्तव में आकर्षित किया। हो सकता है, इस शो के माध्यम से, हम एक फर्क कर सकते हैं, हम यह संदेश दे सकते हैं कि हमें लोगों को उनके दिखने के आधार पर आंकना बंद कर देना चाहिए। वे कहते हैं, शरीर ही सब कुछ नहीं होता है, एक व्यक्ति कैसा दिखता है, यह जरूरी नहीं है। लोग हमारे शो का अनुसरण कर रहे हैं और हम कुछ बदलाव होने की उम्मीद कर सकते हैं। अभिनेता का कहना है कि चूंकि शो के पहले सीजन ने अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए टीम पर बेहतर प्रदर्शन करने का एक निश्चित दबाव है।

वाराणसी में विसर्जित की गईं लता मंगेशकर की अस्थियां

वाराणसी (आईएएनएस)। प्रसिद्ध गायिका भारत रत्न लता मंगेशकर की अस्थियों को उनके परिवार के सदस्यों ने वाराणसी में गंगा नदी में विसर्जित कर दिया। उन्होंने 6 फरवरी को मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। लता मंगेशकर की बहन उषा मंगेशकर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अस्थि कलश लेकर वाराणसी पहुंचीं। उन्होंने खिड़किया घाट पर एक नाव ली, जहां से वे अहिल्याबाई घाट गए। इस घाट पर पुजारी श्रीकांत पाठक के मार्गदर्शन में वैदिक अनुष्ठान करने के बाद अस्थियों को गंगा के बीच में विसर्जित कर दिया गया।

फिल्म 'मिशन मजनू' 10 जून को होगी रिलीज

मुंबई (भाषा)। सिद्धार्थ मल्होत्रा और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म मिशन मजनू अब 10 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। फिल्म पहले 13 मई को रिलीज होने वाली थी। शांतनु बागची के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा एक रॉ एजेंट की भूमिका में नजर आएंगे, जो पाकिस्तान की धरती पर एक गुप्त अभियान का नेतृत्व करते हैं। फिल्म की नई रिलीज तारीख की जानकारी निर्माण कम्पनी 'आरएसवीपी' ने सोशल मीडिया पर दी। उसने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, लक्ष्य तय कर लिया है। पाकिस्तान में रॉ के सबसे खतरनाक मिशन से रूबरू होने को तैयार हो जाएं।

विद्या-शेफाली की जलसा का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन और शेफाली शाह की ड्रामाथ्रिलर जलसा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म जलसा का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। जलसा एक जानी-मानी पत्रकार और उसकी कुक के जीवन के माध्यम से सुनाई गई संघर्ष की एक बेहद दिलचस्प और अनोखी कहानी है। जलसा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। विद्या बालन ने सस्पेंसथ्रिलर जलसा का ट्रेलर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है, "सत्य कथा से भी अधिक विस्मयकारक होता है। 'जलसा' 18 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर आ रही है।" जलसा का निर्माण अबुंदतिया एंटरटेनमेंट और टीसीरीज ने किया है। फिल्म में मानव कौल, रोहिणी हट्टंगड़ी, इकबाल खान, विधात्री बंदी, श्रीकांत मोहन, शफीन पटेल और सूर्या कसीभटला भी अहम किरदारों में नजर आने वाले है।

करण जौहर को सामान्य कपड़े पहनने की चुनौती दूंगी : फराह

मुंबई (आईएएनएस)। लोकप्रिय फिल्म निर्माता फराह खान को अक्सर करण जौहर के साथ उनके पहनावे और ड्रेसिंग स्टाइल पर मस्ती करते हुए देखा जाता है। चूंकि वह इंटरेक्टिव कॉमेडी गेम शो 'खतरा खतरा' की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। फराह ने करण को चुनौती दी कि वह अपने डिजाइनर आउटफिट के बजाय सामान्य कपड़े पहनकर शो में आए। उन्होंने कहा, "मैं करण को चुनौती दूंगी कि वह अपने सभी डिजाइनर कपड़े हटा दें और 1 मिनट के लिए बिना नाराज या चेहरे बनाए सामान्य कपड़े पहनें।"

श्रद्धा कपूर ने शुरू की अनटाइटल कॉमेडी ड्रामा फिल्म की शूटिंग

■ मुंबई (वार्ता)।

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने लव रंजन की अनटाइटल कॉमेडी ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। श्रद्धा कपूर ने अपनी आगामी अनटाइटल्ड कॉमेडी ड्रामा फिल्म के अगले शेड्यूल की शूटिंग को शुरू कर दिया है।

इस फिल्म में श्रद्धा ,रणबीर कपूर के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाली है। इस शेड्यूल को मुंबई में ही शूट किया जाएगा, जिसके बाद श्रद्धा फिल्म के आखिरी बचे दो शेड्यूलों के लिए भी रवाना होंगी। लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित इस फिल्म को लव फिल्म और टी-सीरीज के भारत भूषण ने प्रस्तुत किया है। इस अनटाइटल्ड फिल्म में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर पहली बार एक दूसरे के साथ स्क्रीन स्पेश साझा करने वाले है। फिल्म में रणबीर और श्रद्धा के अलावा डिपल कपाडिया और फिल्म निर्माता बोनी कपूर, रणबीर कपूर के मातापिता का किरदार निभाते हुए दिखाई दे सकते है।

फिल्म सरदार के स्टंट सीन मैसूर में शूट कर रहे हैं कार्थी

चेन्नई (आईएएनएस)। निर्देशक पीएस मिथ्रान की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर सरदार की शूटिंग मैसूर में तेज गति से आगे बढ़ रही है। कार्थी ने फिल्म में दो भूमिकाएं निभाई हैं और यूनिट अब एक भूमिका से संबंधित एक्शन दृश्यों को तैयार करने में व्यस्त है। फिल्म की यूनिट से जुड़े एक सूत्र का कहना है कि कार्थी ने फिल्म में पिता और पुत्र दोनों की भूमिकाएं निभाई हैं। दोनों भूमिकाओं में एक्शन सीक्वेंस हैं। यूनिट, कोडाइकनाल के जंगलों में प्रमुख स्टंट दृश्यों को शूट करने के बाद, आगे के महत्वपूर्ण स्टंट सीक्वेंस शूट कर रही है। सूत्र ने आगे कहा कि फिल्म के स्टंट कोरियोग्राफर दिलीप सुब्बुरायन जंगलों में कुछ प्रमुख स्टंट दृश्यों की शूटिंग कर रहे हैं। प्रिंस पिक्चर्स के लिए एस लक्ष्मण कुमार द्वारा निर्मित, फिल्म में राशी खन्ना मुख्य भूमिका में होंगी और इसमें अभिनेता युही सेतु, राजिशा विजयन, मुरली शर्मा और मुनीशकांत महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे।

ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म 31 को होगी रिलीज

मुंबई (वार्ता)। दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म शर्माजी नमकीन 31 मार्च को ओटीटी पर रिलीज होगी। शर्माजी नमकीन की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी गई है। यह फिल्म 31 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी। हितेश भाटिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दिवंगत ऋषि कपूर के अलावा परेश रावल, जूही चावला और सतीश कौशिक भी लीड रोल में है। इस फिल्म की आधी शूटिंग होने के बाद ऋषि कपूर का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद परेश रावल ने उनके किरदार को निभाया और फिल्म की बची हुई शूटिंग पूरी की थी। फिल्म शर्माजी नमकीन में ऋषि कपूर एक 60 साल के व्यक्ति का किरदार निभाते हुए दिखेंगे, जो एक महिला के प्यार में पड़ जाता है।

पंजाब में सभी पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री पिछड़े

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना चल रही है। इसी बीच बड़ी जानकारी निकलकर सामने आ रही है। पंजाब में हमेशा से सत्ता कांग्रेस और अकाली दल के इर्द गिर्द घूमती रही है लेकिन इस बार यह भरम टूटा है। इसके साथ ही सभी पूर्व और मौजूद मुख्यमंत्री अपनी-अपनी सीटों पर पिछड़ रहे हैं। शुरूआती रुझानों में आम आदमी पार्टी ने एकतरफा बढ़त बनाते हुए बहुमत का आंकड़ा भी पार कर लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री और अकाली दल के कद्दावर नेता प्रकाश सिंह बादल लांबी सीट से पीछे चल रहे हैं। प्रकाश सिंह बादल उन नेताओं में से हैं जो सबसे ज्यादा उम्र दराज होने के बावजूद चुनावी मैदान में थे। उनकी उम्र 94 वर्ष है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह पटियाला सीट से पीछे चल रहे हैं। जबकि मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी चमकौर साहिब और भदौड़ दोनों ही सीट पर आम आदमी प्रत्याशियों से पिछड़ गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 66 स्थानों पर बनाए गए मतगणना केंद्रों पर करीब 7500 कर्मी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 45 टुकड़ियां तैनात की गई हैं। मतगणना के मद्देनजर सभी जिलों में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगा दी गयी है और मतगणना केन्द्रों के बाहर लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी है। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 फरवरी को हुआ था। राज्य में इस बार अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी एक प्रमुख दावेदार के रूप में उभरी है, जबकि कांग्रेस बहुकोणीय मुकाबले में सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है।

जलदाय विभाग ने किया शटडाउन

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले के गांव और शहरों में 2 दिन पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। जलदाय विभाग द्वारा 48 घंटे का शटडाउन लेकर बिसलपुर की मुख्य लाइन में मुख्य पंपिंग स्टेशनों के रख-रखाव का काम किया जाएगा। शटडाउन के दौरान 13 तरह के रख-रखाव के काम होंगे, जलदाय अधिकारियों ने बताया कि गर्मियों की तैयारियों के मद्देनजर यह शटडाउन लिया जा रहा है। जलापूर्ति बाधित रहने से अजमेर, पुष्कर, किशनगढ़, नसीराबाद, ब्यावर, केकड़ी, सरवाड़, पीसांगन, जवाजा, श्रीनगर, मांगलियावास सहित समूचे अजमेर जिले में पेयजल आपूर्ति बंद रहेगी। अजमेर शहर में पेयजल आपूर्ति सप्लाई करने के उद्देश्य से जलदाय विभाग ने पानी का स्टोरेज किया है। अधिशासी अभियंता रामनिवास खाती ने बताया कि बिसलपुर बांध से अजमेर जा रही 1600 एमएम और 1500 एमएम पाइप लाइन के केकड़ी से नसीराबाद के बीच में नया स्लूयूस वाल लगाया जाएगा, इसी पाइपलाइन में 500 एमएम का नया स्कार वाल लगाया जाएगा। केकड़ी पंप हाउस में 100 एमएम का स्कार वाल लगाया जाएगा। बीसलपुर थडोली से केकड़ी की 1500 एमएम पेयजल पाइप लाइन में 200 एमएम का स्कार वाल लगाया जाएगा। बिसलपुर से अजमेर जा रही मुख्य पाइप लाइन में हैंडल का लीकेज दुरुस्त किया जाएगा। वहीं 26 एमएलं रा वाटर डिग्गी की साफ-सफाई की जाएगी और यहां लाकर लेवल इंडिकेटर लगाया जाएगा। केकड़ी से नसीराबाद जा रही 1600 एमएम पेयजल पाइप लाइन में चार जगह एयर वाल के आइसोलेशन वाल लगाए जाएंगे। सरवाड़ गोयला के बीच 1500 एमएम पाइप लाइन में दो जगह मैन होल के लिंकेज ठीक करवाएं जाएंगे, इसी लाइन में एयर कुशन वाल का पाइप बदला जाएगा। सरवाड़ के पास दो जेडवीवी में प्लग वेल्डिंग और 6 जगह पर एयर वेट पाइप बदले जाएंगे और दो जगह एयर वाल के आइसोलेशन वाल ठीक किए जाएंगे।

यूपी में जीत के बाद बीजेपी क्या फिर से लाएगी कृषि कानूनः कैलाश विजयवर्गीय

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश रुझानों में बीजेपी बहुमत से सरकार बनाते दिख रही है। अभी तक 403 में से 399 सीटों पर जो रुझान आए हैं उस हिसाब से बीजेपी 265 सीटों पर आगे चल रही है। चुनाव रुझानों से पहले तक बोला जा रहा था कि बीजेपी को कृषि कानून का नुकसान होते दिखेगा जो रुझानों के मुताबिक ऐसा होते हुए नहीं दिख रहा है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय से जब बात करते हुए पूछा कि, क्या बीजेपी कृषि कानून को दोबारा लेकर आएगी? जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, पीएम मोदी जो भी फैसला लेंगे वो किसानों के हित में होगा। दरअसल, जब कैलाश विजयवर्गीय से कृषि कानून पर सवाल किया कि तो उन्होंने कहा, "मैं इस पर कोई जवाब नहीं दूंगा पर इतना जरूर जानता हूं कि पीएम मोदी जो भी फैसला लेंगे वो किसानों के हित में होगा।" उन्होंने आगे कहा, जहां-जहां किसानों के उत्तर प्रदेश में आंदोलन हुए वहां सभी जगह हम जीत रहे हैं। अब सवाल ये है कि जो किसानों को अपना नेता बताते हैं क्या वो असल में उनके नेता हैं? इन्होंने किसानों से कहा था कि बीजेपी के खिलाफ वोट दें किसानों ने बीजेपी को वोट दिया इससे साफ है कि किसान अगर किसी के साथ हैं तो वो पीएम मोदी और बीजेपी पार्टी के साथ हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने पीएम मोदी समेत बीजेपी पार्टी की तारीफ करते हुए कहा कि, "भारतीय जनता पार्टी ने पहले जो घोषणा पत्र जारी किया था उस पर लगातार काम किया। जनता को पीएम मोदी पर विश्वास है। भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास है। उन्होंने जीत की असल वजह को पीएम मोदी का नेतृतव, विकास और लगातार हुए कार्य को बताया है। उन्होंने कहा कि, "साल 2014 के बाद से जब से पीएम मोदी ने देश का नेतृतव संभाला है तब से विकास के एजेंडे की शुरूआत हुई है। बीजेपी की जीत परिवारवाद के खिलाफ है, तुष्टीकरण के खिलाफ है।

रुझानों में भाजपा की बढ़त के बीच सामने आया राकेश टिकैत का बड़ा बयान

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश विधानसभा की सभी 403 सीटों पर बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे से मतगणना जारी है। शुरूआती रुझानों में भारतीय जनता पार्टी आगे चल रही है, जबकि समाजवादी पार्टी काफी पीछे है। हालांकि, यह रुझान और अभी कई चरणों की मतगणना बाकी है। जारी मतगणना के बीच एक निजी न्यूज चैनल से बातचीत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का बड़ा बयान आया है। किसान नेता राकेश टिकैत ने बिना नाम लिए भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए इशारों-इशारों में कहा है कि जनता इनसे नाराज है और इसका कुछ असर तो दिखाई देगा। उनका इशारा किसान आंदोलन के दौरान किसानों की नाराजगी की तरफ था। यहां पर बता दें कि लगातार उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बयान देने वाले राकेश टिकैत कई दिनों ट्वीटर पर शांत हैं। उन्होंने चुनाव परिणाम को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ट्वीट करके बधाई जरूर दी थी। यहां पर बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव के तहत अंतिम चरण यानी 7 मार्च को मतदान से पहले भाकियू नेता राकेश टिकैत मतगणना में भारी पैमाने पर धांधली की आशंका जताई था। उन्होंने कहा था कि यूपी की कम से कम 70 सीटों पर हार हुए प्रत्याशी को जीत का प्रमाण पत्र दिया जा सकता है। उन्होंने किसानों से उन जगहों की पहरेदारी करने की अपील की है,जहां वोटिंग के बाद ईवीएम रखी गई हैं। दरअसल, किसान नेता राकेश टिकैत ने पश्चिमी उत्तर प्रेदश के बुलंदशहर जिले में पत्रकारों से बातचीत में चुनावों में धांधली की बात भी कही थी।

सिद्धू-कैप्टन के कॅरियर संकट में, सोनू सूद राजनीति में प्रवेश से पहले हो सकते हैं बाहर

चंडीगढ़। पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव के शुरूआती नतीजों में कांग्रेस की फजीहत होती हुई दिखाई दे रही है। जबकि आम आदमी पार्टी की बल्ले-बल्ले है। पिछले विधानसभा चुनाव में महज 20 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी ने एकतरफा बढ़त बना ली है। इसके अतिरिक्त सभी दिग्गज नेता अपनी-अपनी सीटों पर पीछे चल रहे हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा चर्चा पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू और पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की हो रही है। पंजाब कांग्रेस में अंतर्कलह के चलते अपमानित होकर कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पार्टी को अलविदा कहते हुए अपनी अलग पार्टी का गठन किया था। दरअसल, नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह कई मौकों पर आमने-सामने दिखाई दिए थे। जिसके वजह से पार्टी की छवि पर असर पड़ रहा था। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान ने वहां पर दलित कार्ड खेलते हुए चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। इसके बावजूद नवजोत सिंह सिद्धू अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। नवजोत सिंह सिद्धू के साथ जारी मतभेदों के चलते ही कैप्टन अमरिंदर सिंह को इस्तीफा देना पड़ा और फिर सिद्धू और चन्नी के बीच के मतभेद भी उजागर हुए। ऐसे में सबसे

ज्यादा किसी पार्टी को फायदा हुआ है तो वह है आम आदमी पार्टी। जिसने शुरूआती रूझानों में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। कांग्रेस ने सिद्धू पर जताया था भरोसाः कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धू पर भरोसा जताते हुए उनके मन मुताबिक टिकट बांटे थे। फिर भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ रहा है। खुद सिद्धू अपनी सीट अमृतसर पूर्व से पिछड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में सिद्धू को हार की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि खबर है कि मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। वहीं कैप्टन अमरिंदर सिंह के राजनीतिक कॅरियर पर भी संकट का बादल मंडरा रहे हैं क्योंकि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर पंजाब लोक कांग्रेस का गठन किया और फिर भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा। लेकिन वो खुद पटियाला सीट से पिछड़ रहे हैं। सके अलावा मोगा उम्मीदवार मालविका सूद का भी काफी चर्चा हो रही है। वो अभिनेता सोनू सूद की बहन है और वो अपनी बहन के माध्यम से राजनीति में एंट्री करने वाले थे लेकिन उनकी बहन मोगा से बुरी तरह पिछड़ रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि सोनू सूद की राजनीतिक एंट्री से पहले ही एग्जिट का रास्ता तैयार हो चुका है।

कुमार विश्वास के घर बाहर भारी पुलिस बल तैनात

गाजियाबाद। देश के जाने माने कवि कुमार विश्वास के गाजियाबाद स्थित घर के बाहर बृहस्पतिवार दोपहर में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि वसुंधरा सेक्टर-3 गाजियाबाद में कवि कुमार विश्वास के घर के बाहर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर सकते हैं। दरअसल, कुमार विश्वास ने पिछले महीने बातचीत के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल पर पंजाब विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अलगाववादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया था। इसके बाद आम आदमी पार्टी के कई नेताओं ने कुमार विश्वास पर हमला बोला था। इसके बाद केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और मशहूर कवि कुमार विश्वास को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी है। कहा गया था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विश्वास के आरोपों के मद्देनजर खुफिया सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा और खतरे की समीक्षा की गई थी। समीक्षा के बाद विश्वास को वाई श्रेणी की सुरक्षा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जरिए देने का फैसला किया गया था। अब वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत चौबीसों घंटे चार सुरक्षा अधिकारी कुमार विश्वास की सुरक्षा कर रहे हैं। उधर, केंद्र सरकार की ओर से दी गई वाई श्रेणी की सुरक्षा पर कवि कुमार विश्वास ने कहा था- 'मैंने आज तक कभी कोई सुरक्षा नहीं मांगी। यह सरकार की एजेंसियों का इनपुट है। इनपुट पर एक लोकतांत्रिक सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वो अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।'

हार से भी सपा खुश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने वापसी कर ली है। अखिलेश यादव ने बेरोजगारी, महंगाई, छुट्टा जानवरों की समस्या जैसे मुद्दों को उछालकर योगी आदित्यनाथ से सत्ता छीनने की भरसक कोशिश की, लेकिन नाकामयाब रहे। हालांकि, इस हार में भी सपा के लिए खुशी के कुछ मौके और वजहें हैं। 2017 के मुकाबले समाजावादी पार्टी के जनाधार में बड़ा इजाफा देखने को मिला है। पांच साल पहले सपा को 21.8 फीसदी वोट शेयर मिला था, लेकिन इस बार पार्टी के वोटर शेयर में 10 फीसदी का इजाफा किया है। इस बार सपा को करीब 32 फीसदी वोट शेयर मिला है। भले ही सपा को अभी सत्ता हासिल ना हुई हो लेकिन जनाधार का बढ़ना उसके लिए शुभ संकेत जरूर माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी को यूपी में लगातार चौथी हार मिली है। पार्टी को 2014 लोकसभा चुनाव, 2017 विधानसभा चुनाव, 2019 लोकसभा चुनाव और 2022 विधानसभा में हार का सामना करना पड़ा है।

पांच राज्यों के रिजल्ट के बीच देश भर में एक साथ चुनाव कराने को तैयार : चुनाव आयुक्त

वाराणसी। पांच राज्यों के चुनावी नतीजे जारी हो रहे हैं। इस बीच मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने मीडिया को कई अहम जानकारियां दी हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि विधानसभा चुनावों के लिए 31,000 नए पोलिंग बूथ बनाए गए थे। उन्होंने कहा, 'हमने 1900 पोलिंग बूथ बनाए, जिन्हें महिलाएं संचालित कर रही थीं और इसी वजह से महिलाओं की बड़ी सहभागिता नजर आई।' सुशील चंद्रा ने कहा कि 5 में से 4 राज्यों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि 'नो योर कैंडिडेट' ऐप का इस्तेमाल सफल रहा। सुप्रीम कोर्ट ने तय किया था कि आपराधिक बैकग्राउंड वाले लोगों के बारे में मतदाताओं को जानना चाहिए। इसलिए हमने यह ऐप बनाया था। कुल 6900 उम्मीदवारों में से 1600 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि ओमिक्रॉन की वजह से चुनावी रैलियों पर प्रतिबंध था। चुनाव आयोग ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को गंभीरता से लिया है। पांच राज्यों में करीब 2,270 एफआईआर दर्ज किये गये हैं। चुनाव आयोग के लिए सभी पार्टियां एक समान हैं। पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर चुनाव आयोग ने कहा कि 'वन नेशन वन इलेक्शन' एक अच्छी सलाह है लेकिन इसके लिए जरूरत है संविधान में बदलाव की। चुनाव आयोग पूरी तरह से तैयार है। सुशील चंद्रा ने कहा कि चुनाव आयोग 5 साल में एक बार चुनाव के लिए तैयार है। वाराणसी में ईवीएम पर उठे सवाल पर मुख्य आयुक्त ने कहा कि वाराणसी में ईवीएम ट्रेनिंग के लिए रखा गया था। एडीएम ने गलती यह थी कि उन्होंने इसके बारे में राजनीतिक पार्टियों को सूचित नहीं किया था। उन्होंने जानकारी नहीं दी थी कि ईवीएम का मूवमेंट ट्रेनिंग के मकसद से किया गया था।

शराब पीने के लिए पैसे न देने पर बेटे ने की बुजुर्ग पिता की हत्या

ललितपुर। यूपी में ललितपुर के जखौरा थानाक्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये न देने पर बेटे द्वारा अपने ही पिता की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि जखौरा थानाक्षेत्र के कारी गांव निवासी गेंदालाल (80) ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि गेंदालाल के सात बेटे हैं और इनमें से कमलेश सबसे छोटा है। वह शराब पीने का आदी है। मंगलवार देर शाम जब कमलेश घर आया तो उसने पिता से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। गेंदालाल के इनकार करने पर दोनों के बीच बहस हो गयी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि कमलेश ने गेंदालाल को लाठी डंडों से पीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया। घायल बुर्जुग की पत्नी मुन्नी अपने पति को चिकित्सालय उपचार के लिए लेकर गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। मृतक की पत्नी मुन्नी देवी ने बताया कि उसके घायल पति ने मारपीट की बात बताई थी।

गाजियाबाद की 40 फीसदी आबादी गंदा पानी पीने को मजबूर

गाजियाबाद। नैशनल कैपिटल रीजन के गाजियाबाद की करीब 40 फीसदी आबादी को साफ और पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। नगर निगम और स्थानीय निकायों के सर्वे में यह खुलासा हुआ है। अधिकारियों द्वारा फिर योजनाएं बनाने का दावा तो किया जा रहा है, लेकिन पिछली योजनाएं अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं। शहर के कई ऐसे वार्ड हैं जहां जरूरत से कम व दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है। इसकी बड़ी वजह पुरानी व जर्जर पाइप लाइन का होना बताया गया है। हाल ही में नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने सभी वार्ड में पानी की आपूर्ति को लेकर एक सर्वे कराया। जिसके तहत पाया गया कि हर वार्ड में पानी की आपूर्ति 2011 की जनगणना के हिसाब से है। माना जा रहा है जनगणना हिसाब से अब 20 फीसदी अधिक लोगों को पानी की जरूरत है। इसके लिए 2025 तक प्रत्येक घर में पेयजल की आपूर्ति करने की तैयारी की गई है। जनपद की हालत तो यह है कि यहां की 40 फीसदी आबादी को साफ पानी नहीं मिल रहा है। अधिकारियों ने अब इस पर योजना बनाने की बात कही है। शहर के कई ऐसे वार्ड हैं जहां जरूरत से कम व दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है। इसकी बड़ी वजह पुरानी व जर्जर पाइप लाइन का होना बताया गया है। हाल ही में नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने सभी वार्ड में पानी की आपूर्ति को लेकर एक सर्वे कराया। जिसके तहत पाया गया कि हर वार्ड में पानी की आपूर्ति 2011 की जनगणना के हिसाब से है। माना जा रहा है जनगणना हिसाब से अब 20 फीसदी अधिक लोगों को पानी की जरूरत है। इसके लिए 2025 तक प्रत्येक घर में पेयजल की आपूर्ति करने की तैयारी की गई है। जनपद की हालत तो यह है कि यहां की 40 फीसदी आबादी को साफ पानी नहीं मिल रहा है। अधिकारियों ने अब इस पर योजना बनाने की बात कही है। टीएचए की 30 से अधिक छोटी-बड़ी कॉलोनियों में रहने वाली लाखों की आबादी को दोनों समय पेयजल नहीं मिल पा रहा। छह लाख से ज्यादा की आबादी को 75 एमएलडी पानी की जरूरत है, जबकि निगम केवल 30 एमएलडी पानी की आपूर्ति कर रहा है।

नोएडा की फूल मंडी पर लगा लंबा जाम वैकल्पिक रास्तों पर मोड़ा ट्रैफिक

नोएडा। यूपी विधानसभा की 403 सीटों पर मतगणना जारी है। इसी बीच नोएडा की फूल मंड पर जाम लग गया है। फेज टू स्थित फूल मंडी के चारों ओर 2-3 किलोमीटर लंबे जाम में वाहन चालक फंसे हुए हैं। फूल मंडी के सामने रास्ता बंद किए जाने के कारण वैकल्पिक रास्तों पर ट्रैफिक को मोड़ा गया है। व्यवस्था संभालने के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी भी मौजूद नहीं हैं। जाम की वजह से लोगों को पांच मिनट के सफर को पार करने में सवा घंटे का समय लग रहा है। फूल मंडी के पास सेक्टर 83 की सड़क पर जाम लग गया है। यहां करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ है। इससे लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फूल मंडी में जाम की एक वजह यहां मतगणना स्थल का होना भी है। गौतमबुद्ध नगर के अंतर्गत आने वाली नोएडा विधानसभा सीट पर पंकज सिंह आगे चल रहे हैं। कांग्रेस की स्टार प्रचारक पंखुड़ी पाठक उन्हें कड़ी टक्कर दे रही हैं।

सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ शुभारंभ

चिरैयाकोट, मऊ। स्थानीय क्षेत्र के रामनवल सिंह स्मारक पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत बुधवार को सात दिवसीय विशेष शिविर का डा० सुरेश गुप्ता द्वारा शिविर का शुभारंभ किया गया। जिसका प्रारम्भ डा० सुरेश गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर कर शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष डा० हरिकेश सिंह ने किया। इस कार्यक्रम के संचालन अधिकारी सुरेश राम ने किया। मां सरस्वती की वंदना प्रति सिंह व सुलेखा ने प्रस्तुत किया। वहीं अंजलि एवं स्नेहा तथा विश्वजीत सिंह ने अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रुप में डा० सुरेश गुप्ता ने कहा की समाज सेवा के माध्यम से ही व्यक्तित्व का विकास संभव है। इस शिविर के माध्यम से ही इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। वहीं इस शिविर को संबोधित करते हुए डा ० हरिकेश सिंह ने कहा की

शिविर का शिष्ठाता, विशिष्टता एवं रचनात्मकता के द्वारा ही समाज का सर्वांगीड विकास किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के अधिकारी डा० स्वर्ण सिंह ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के अधिकारी डा० देवेन्द्र प्रताप यादव डा० संजय कुमार मिश्र, सदाशिव प्रताप, डा० अमरजीत सिंह, डा० राजेश कुमार सिंह, लवकुश कुमार, हरे राम सिंह, मासूम सिंह, अमिता ओझा, अंजलि सिंह, जीनत खान, आफरीन निगार, अंजुम एवं गुलिस्तां परवीन के साथ इस शिविर में स्वयं सेवक व सेविका भी मौजूद रहे।

सीएम योगी के यूपी में लहराया राष्ट्रवाद का परचम

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव की वोटों की काउंटिग जारी है। शुरूआती रुझानों में बीजेपी बढ़त पर है। यूपी सहित बाकी राज्यों के चुनावी नतीजों के मद्देनजर भाजपा का पलड़ा भारी है। प्रारंभिक रुझानों को देखते हुए देशभर में भाजपा कार्यकताओं में जश्न का माहौल है। यूपी के बुंदेलखंड में चुनावी जिम्मेदारी संभालने वाले एमपी के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा की भी प्रतिक्रिया आई है। यूपी में 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच सात चरणों में वोटिंग हुई थी। यूपी में एक बार फिर भगवाकरण देख नरोत्तम मिश्रा भी आतिशबाजी कर जश्न मना रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर सभी को बधाई दी। उन्होंने लिखा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यूपी में भाजपा विराट बहुमत की ओर बढ़ रही है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार विकास और राष्ट्रवाद का परचम लहरा रही है। आज चारों ओर राष्ट्रवाद और विकास की जीत हो रही है। राष्ट्रवाद की जीत का यह दिन गौरवशाली है। यूपी में 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच सात चरणों में वोटिंग हुई थी। 7 मार्च को आए एग्जिट पोल्स में भी उत्तर प्रदेश में सीएम योगी 2.0 का दावा किया गया था। आज आ रहे रुझानों में भी भाजपा यूपी में एक बार फिर सरकार बनाने जा रही है। यूपी के शुरूआती रुझानों में लगभग सभी एग्जिट पोल्स सही साबित हो गए हैं।

पोखरी पर लगातार हो रहा है अवैध कब्जा

मोहम्मदाबाद गोहना, मऊ। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला गोलवार टोला में स्थित एक प्राचीन पोखरी पर अवैध कब्जों की इस समय बाढ़ सी आ गई है। प्रशासन की रोक के बावजूद अतिक्रमणकर्ता बाज नहीं आ रहे हैं और माननीय उच्चतम न्यायालय के निदेर्शों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है मोहल्ला गोलवार टोला में बुलबुल गड़ही के नाम से प्रसिद्ध पोखरी पर विगत कुछ दिनों से लगातार अवैध कब्जा हो रहा है विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद तो अवैध कब्जों की बाढ़ सी आ गई है। हद तो तब हो गई जब मतदान की पूर्व संध्या एवं मतदान समाप्त होने के बाद रात में खैराबाद निवासी एक व्यक्ति द्वारा बकायदा व्यापक लाइट का प्रबंध कर पोखरी पर कब्जा किया जाता रहा। कई घंटे बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काम बंद कराया। इसके पूर्व भी पुलिस एवं नगर पंचायत कर्मियों द्वारा कई बार मौके पर जाकर अवैध निर्माण को रुकवाया गया परंतु इसके बावजूद अतिक्रमणकर्ता बाज नहीं आ रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए मोहल्ला सैयदवाड़ा निवासी सैयद जाफर अब्बास आबिदी ने बताया कि उक्त पोखरी पर हो रहे अवैध कब्जों की शिकायतें मैंने कई बार उपजिलाधिकारी नगर पंचायत कार्यालय एवं पुलिस से की है। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत द्वारा कई बार नोटिस देकर एवं मौके पर कर्मचारियों एवं पुलिस को भेजकर अवैध कार्य को रुकवाया गया। इसके बावजूद अतिक्रमणकर्ता बाज नहीं आए और हद तो तब हो गई जब मतदान की पूर्व संध्या एवं मतदान समाप्त होने के बाद रात में लाइट जलाकर खैराबाद निवासी एक व्यक्ति द्वारा इस पोखरी के दक्षिण हिस्से पर कई घंटे तक अवैध निर्माण कराया गया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को रुकवाया। उन्होंने बताया कि बुधवार को भी उक्त पोखरी पर अवैध कब्जा किया जा रहा है।

टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन ऑलराउंडर बने जडेजा

कोहली को दो पायदान का फायदा, शीर्ष- 5 में वापसी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा श्रीलंका के खिलाफ मोहाली में हाल ही में संपन्न पहले टेस्ट मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी आईसीसी पुरुष टेस्ट ऑलराउंडर्स रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने दो स्थानों के फायदे से हमवतन रविचंद्रन अश्विन और वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पछाड़ते हुए 406 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर कब्जा किया है।

होल्डर 382 और अश्विन 347 रेटिंग अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। उल्लेखनीय है कि जडेजा ने मोहली टेस्ट में बल्ले के साथ 175 रन की जबरदस्त पारी खेली थी और गेंद के साथ कुल नौ विकेट (पहली पारी में पांच, दूसरी पारी में चार) लिए थे। उनके इस अहम योगदान के चलते भारत ने श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में पारी और 222 रन से हरा दिया था। पुरुषों की गेंदबाजी रैंकिंग में सिर्फ एक बदलाव हुआ है। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज नील वैगनर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में छह विकेट लेने की बदौलत एक स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड आठवें से नौंवे स्थान पर खिसक गए हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इस सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं और अनुभवी भारतीय स्पिनर अश्विन दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा तीसरे और पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी चौथे स्थान पर मौजूद हैं। जसप्रीत बुमराह 10वें पायदान पर बने हुए हैं। मोहली टेस्ट में कमाल करने वाले जडेजा को तीन स्थान का फायदा हुआ है और वो 17वें स्थान पर आ चुके हैं। जडेजा लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापस आए हैं।

रोहित शर्मा छठे स्थान पर पहुंचे

वहीं पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है और वह हमवतन एवं भारत के कप्तान रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड से आगे निकलकर टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर से शीर्ष पांच में आ गए हैं। कोहली दो स्थानों के फायदे से 763 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें, जबकि रोहित 761 अंकों के साथ छठे और हेड 753 अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। इसके अलावा विकेटकीपर ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर के ऊपर शीर्ष 10 में पहुंच गए है। पंत एक स्थान के फायदे से 723 रेटिंग अंकों के साथ दसवें स्थान पर आ गए हैं, जबकि वार्नर 720 अंकों के साथ 11वें स्थान पर खिसक गए हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन 936 रेटिंग अंकों के साथ बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं।

पंत नंबर वन विकेटकीपर: आईसीसी की बल्लेजों की टेस्ट रैंकिंग में टॉप-10 में नजर डालें तो इसमें सिर्फ एक विकेटकीपर है जो कि रिषभ पंत हैं, जो इस समय टेस्ट क्रिकेट में दसवें नंबर के बल्लेबाज हैं, लेकिन वह दुनिया के नंबर वन विकेटकीपर हैं, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में रैंकिंग में कोई और विकेटकीपर उनसे आगे नहीं है। टेस्ट रैंकिंग में उनके बाद दूसरा विकेटकीपर 18वें नंबर पर है। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में 18वें नंबर के बल्लेबाज हैं, जो अपने देश के लिए विकेटकीपिंग करते हैं।

महिला विश्व कप: भारतीय महिलाओं के सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती

हैमिल्टन। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप के पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराने के बाद भारत के सामने न्यूजीलैंड के रूप में कठिन चुनौती है। गुरुवार को न्यूजीलैंड का सामना करने के लिए भारत को अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। हैमिल्टन के सेडोन पार्क की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों की मददगार है। इसमें मिताली राज की टीम के इरादे बेहतर प्रदर्शन के होंगे। भारत और न्यूजीलैंड की महिला टीमों के बीच वर्ल्ड कप में अभी तक कुल 12 मुकाबले खेले गए हैं जिसमें टीम इंडिया सिर्फ दो ही बार जीत हासिल करने में सफल रही है। इन 12 में से 9 मुकाबलों में टीम इंडिया को हार मिली है तो वहीं एक मुकाबले का नतीजा नहीं निकला है। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि जो दो मुकाबले टीम इंडिया ने जीते हैं उसमें से एक जीत पिछले ही वर्ल्ड कप में मिली है। भारत ने 2017 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड को 186 रनों के बड़े अंतर से मात दी थी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में एक और अन्य मुकाबला 2005 में जीता था।

श्रेयस, मिताली व दीप्ति आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित

पुरुष वर्ग में श्रेयस सहित अरविंद व दीपेंद्र सिंह को मिली जगह

दुबई। आईसीसी ने फरवरी के आईसीसी महिला और पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ के नामित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। पीछे महीने काफी इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। आईसीसी ने तीन महिला खिलाड़ी और तीन पुरुष खिलाड़ी नामित किया है।

इसमें भारतीय टीम की ही तीन खिलाड़ी हैं। पुरुष क्रिकेटर ऑफ द मंथ के दावेदारों में भारत के श्रेयस अय्यर के साथ यूएई के वृत्य अरविंद और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी का नाम शामिल है। अय्यर ने फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में आउट हुए बिना 204 रन बनाए थे। उन्होंने ये रन 174.35 की स्ट्राइक रेट से बनाए। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम वनडे मैच में 80 रनों की पारी भी खेली थी। यूएई के 19 साल के अरविंद ने आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर ए के 5 मैच में 89 की औसत से 267 रन बनाए थे। इसी टूर्नामेंट में नेपाल के दीपेंद्र सिंह ने 159 रन बनाने के साथ ही 6 विकेट चटकाए थे।

मिताली को कड़ी टक्कर देगी दीप्ति

महिला क्रिकेट में भारतीय टीम की दो खिलाड़ी कप्तान मिताली राज और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा नामित हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की वनडे सीरीज में मिताली ने तीन अर्धशतकीय पारी खेली थी। उस सीरीज में दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी में 10 विकेट लेने के साथ बल्लेबाजी में 116 रन बनाए थे। उन्होंने तीसरे मैच में 69 रनों की नाबाद पारी खेली थी। आखिरी बार मार्च 2021 में भारतीय खिलाड़ी ने यह अवॉर्ड जीता था।

एशियाई युवा मुक्केबाजी में रेणु को मिला कांस्य पदक

अम्मान। भारतीय युवा महिला मुक्केबाज निवेदिता कार्की और तमन्ना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जॉर्डन की राजधानी अम्मान में जारी एएसबीसी एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2022 के फाइनल में बुधवार को जगह बना ली जबकि रेणु को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले संस्करण की रजत पदक विजेता निवेदिता और तमन्ना ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की। निवेदिता को जहां 48 किग्रा वर्ग में थाईलैंड की रनरारिट ग्रेसी के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी, तो वहीं तमन्ना (50 किग्रा) ने अपना दबदबा कायम रखते हुए कजाकिस्तान की अनीता आदिशेवा पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की।इस बीच, 52 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में रेनू को उज्बेकिस्तान की मुनव्वर फोजिलोवा के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने सभी 12 भार वर्गों में पदक हासिल किए, जबकि पुरुषों ने छह पदकों पर कब्जा जमाया। इससे अब टूर्नामेंट में भारत के पदकों की संख्या 18 हो गई है।

यूक्रेनी बच्चों की मदद के लिए शेष वर्ष की पुरस्कार राशि दान करेंगे मरे

लंदन। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन के एंडी मरे ने शेष वर्ष की अपनी पुरस्कार राशि को युद्धग्रस्त यूक्रेन में बच्चों की मदद के लिए काम कर रहे यूनिसेफ यूके को दान करने का ऐलान किया है। मरे ने एक ट्वीट में लिखा, यूक्रेन में बढ़ते संघर्ष के कारण 7.5 मिलियन (75 लाख) से अधिक बच्चे जोखिम में हैं, इसलिए मैं तत्काल चिकित्सा आपूर्ति और अर्ली चाइल्डहुड डेवलोपमेंट किट प्रदान करने में मदद करने के लिए यूनिसेफ यूके के साथ काम कर रहा हूं। यह महत्वपूर्ण शिक्षा जारी रहे, इसलिए यूनिसेफ विस्थापित बच्चों की पढ़ाई तक पहुंच को सक्षम करने के साथ-साथ फर्नीचर को बदलने के लिए काम कर रहा है। मरे ने कहा, मैं शेष वर्ष के लिए अपनी पुरस्कार राशि को दान करने जा रहा हूं। यूके में कोई भी हमारी अपील के तहत दान करके यूनिसेफ की इस मानवीय मदद का समर्थन कर सकता है। उल्लेखनीय है कि मरे यूनिसेफ, यूनाइटेड फॉर वाइल्डलाइफ, मलेरिया नो मोर और वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड के ग्लोबल एंबेसडर हैं।

एक्सप्रेस न्यूज

भारतीय तेज गेंदबाज श्रीसंत ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने बुधवार को ट्विटर पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने ट्वीट में लिखा, बहुत दुख के साथ, लेकिन अफसोस के बिना मैं यह भारी मन से कहता हूं कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट के साथ-साथ क्रिकेट सभी प्रारूपों से संन्यास ले रहा हूं। अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए। मैंने अपना प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर समाप्त करने का फैसला किया है।

अश्विनी-सिक्की की जोड़ी जर्मन ओपन के पहले राउंड में हारी

नई दिल्ली। अश्विनी पोनप्पा और सिक्की रेड्डी की अनुभवी भारतीय महिला युगल टीम को बुधवार को जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट से शुरुआती दौर में नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा की चौथी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी से 13-21, 31-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच कृष्णा प्रसाद गरागा और विष्णुवर्धन पंजाला की भारतीय पुरुष युगल टीम ने हिरोकी ओकामुरा और मासायुकी ओनोडेरा को 24-22, 21-11 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। ईशान भटनागर और साई प्रतीक की एक अन्य भारतीय पुरुष युगल टीम भी कैलम हेमिंग और स्टीवन स्टालवुड की अंग्रेजी जोड़ी को 21-15, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में पहुंची।

लिवरपुल और बायर्न म्यूनिख ने क्वॉर्टरफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियंस लीग में प्री-क्वॉर्टरफाइनल का दूसरा लेग खेल गया। दूसरे लेग में लिवरपुल इंटर मिलान के हाथों 1-0 से हारने के बावजूद क्वॉर्टरफाइनल में पहुंच गया। दरअसल, उसने पहले लेग में इंटर को 2-0 से हराया था। इस तरह दोनों मुकाबलों को मिलाकर कुल स्कोर 2-1 लिवरपुल के पक्ष में रहा। वहीं एक अन्य मुकाबले में बायर्न म्यूनिख ने रेड बुल साल्जबर्ग को 7-1 से रौंदकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इससे पहले बायर्न म्यूनिख का साल्जबर्ग के खिलाफ पहला लेग 1-1 की बराबरी पर छूटा था। बायर्न के लिए पोलैंड के स्टार खिलाड़ी रॉबर्ट लेवानडॉस्की हैट्रिक गोल किया। उन्होंने 11 मिनट के अंदर ही तीन गोल दाग दिए। लेवांडोवस्की ने पहला गोल 12वें मिनट में पेनल्टी पर किया।

वॉर्न को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दी जाएगी अंतिम विदाई

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न को अपने घरेलू मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इस महीने के अंत में सार्वजिनक रूप से अंतिम विदाई दी जाएगी। विक्टोरिया राज्य के प्रमुख डेनियल ऐंड्रयूज ने पुष्टि की है कि 30 मार्च को मेलबर्न के मैदान पर राष्ट्रीय सम्मान के साथ वॉर्न को विदा किया जाएगा। पिछले हफ्ते थाईलैंड में वॉर्न का अचानक निधन हो गया था। बुधवार को ट्वीट करते हुए ऐंड्रयूज ने कहा कि वॉर्न को विदाई देने के लिए मेलबर्न से उचित स्थान हो ही नहीं सकता। एमसीजी ही 1994 में वॉर्न की प्रसिद्ध एशेज हैट्रिक का मंच था और 2006 में बॉक्सिंग-डे पर अपनी 700वीं टेस्ट विकेट भी उन्होंने इसी मैदान पर हासिल की थी।शाम को होने वाले विदाई कार्यक्रम के लिए टिकट की जानकारी अभी जारी नहीं की गई है, लेकिन ऐंड्रयूज़ ने कहा कि एक लाख दर्शकों की क्षमता वाले कार्यक्रम स्थल पर लोगों की मौजूदगी पर कोई रोक नहीं लगाई जाएगी।

शेयर बाजार की जोरदार छलांग

निवेशकों के अनुकूल माहौल से सेंसेक्स 1223 अंक चढ़ा

मुंबई । यूक्रेन संकट दूर करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों से उम्मीद लगाए बैठे निवेशकों के अनुकूल रुख से घरेलू शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। पेट्रोलियम एवं ऊर्जा, वित्तीय और आईटी कंपनियों को मिले समर्थन से दोनों मानक सूचकांक दो प्रतिशत से भी ज्यादा चढ़ गए।

बीएसई के तीस शेयरों वाले मानक सूचकांक सेंसेक्स की शुरुआत सकारात्मक हुई और निवेशकों के समर्थन से एक समय यह 1469.64 अंक तक की बढ़त लेने में सफल रहा। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली से इसका लाभ कुछ कम हुआ। कारोबार के अंत में यह 1223.24 अंक यानी 2.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54647.33 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 331.90 अंक यानी 2.07 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। कारोबार के अंत में यह 16345.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एशियन पेंट्स सर्वाधिक 5.56 प्रतिशत के लाभ में रही। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 5.24 प्रतिशत की बढ़त लेने में सफल रहा।

बजाज फिनसर्व में पांच प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक में 3.29 प्रतिशत का लाभ रहा। आईटी क्षेत्र की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर 2.85 प्रतिशत, इन्फोसिस 1.97 प्रतिशत और टीसीएस एक प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज करने में सफल रहे। वहीं बैंकिंग क्षेत्र में इंडसइंड बैंक के शेयर चार प्रतिशत तक उछल गए।

रुपया 38 पैसे उछला

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में रही दो फीसद से अधिक की तेजी से विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ने की उम्मीद में रुपया 38 पैसे उछलकर 76.62 रुपए प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र के रुपया 77 रुपए प्रति डॉलर पर रहा था। रूपया बुधवार को 10 पैसे की मजबूती लेकर 76.90 रुपए प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 76.92 रुपए प्रति डॉलर के निचले और 76.53 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 38 पैसे चढ़कर 76.62 रुपए प्रति डॉलर पर रहा।

एमसीसी ने संहिता में किया बदलाव

'मांकेडिंग' अब अनुचित नहीं, इसे रनआउट माना जाएगा

लंदन

क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज को रन आउट करने संबंधी नियम को अब 'अनुचित खेल' श्रेणी से हटा दिया। इसके साथ ही गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया और 2022 सँहिता में ये बदलाव अक्तूबर से लागू होंगे।

दूसरे छोर पर बल्लेबाज के क्रीज से आगे निकल आने के बाद रन आउट करने को लेकर काफी बहस होती रही है और इसे खेलभावना के विपरीत बताया जाता रहा है। भारत के अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन समेत कई खिलाड़ियों ने हालांकि इसे बल्लेबाज को आउट करने का उचित तरीका बताकर इसकी पैरवी की है।

एमसीसी ने मंगलवार की रात जारी बयान में कहा, 'दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज को रन आउट करने संबंधी नियम 41.16 को नियम 41 (अनुचित) खेल से हटाकर नियम 38 (रन आउट) में डाल दिया गया है। नियम के शब्द समान रहेंगे।' सबसे पहले 1948 में इस तरह का वाकया हुआ था जब भारत के महान खिलाड़ी वीनू मांकड़ ने आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बिल ब्राउन को दूसरे छोर पर आउट किया था। उन्होंने इससे पहले बल्लेबाज को चेतावनी भी दी थी।

आस्ट्रेलियाई मीडिया ने इसे 'मांकेडिंग' करार दिया लेकिन सुनील गावसकर जैसे महान खिलाड़ियों ने इसे मांकड़ के प्रति अपमानजनक बताकर इसका कड़ा विरोध किया। एमसीसी ने यह भी कहा कि गेंद को चमकाने के लिए लार का प्रयोग अनुचति माना जाएगा।

खिलाड़ी गेंद को चमकाने के लिए पसीने का भी इस्तेमाल करते हैं जो समान रूप से प्रभावी है। इसमें कहा गया, 'नए नियम के तहत गेंद पर लार का प्रयोग नहीं हो सकेगा। इसके साथ ही फील्डरों के भी मीठी चीजें खाकर लार को गेंद पर लगाने पर रोक लगा दी गई है। लार का इस्तेमाल गेंद की स्थिति में बदलाव के अन्य अनुचित तरीकों की ही तरह माना जाएगा।' संहिता में बदलाव का सुझाव एमसीसी नियमों की उपसमिति ने दिया है जिसे मुख्य समिति ने पिछले सप्ताह मंजूरी दे दी। ये बदलाव अक्तूबर से लागू होंगे।

एमसीसी के नियम प्रबंधक फ्रेसर स्टीवर्ट ने कहा, '2022 संहिता में कुछ बड़े बदलाव किए गए हैं। खेल के प्रति क्लब की वैश्विक

क्रिकेट

एमसीसी के नियम प्रबंधक फ्रेसर स्टीवर्ट ने कहा, '2022 संहिता में कुछ बड़े बदलाव किए गए हैं। इनका ऐलान जरूरी था। अक्तूबर में इनके लागू होने से पहले दुनिया भर के अधिकारियों को इनके बारे में समझने के लिए समय देना होगा।'

लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

कोरोना महामारी के कारण आइसीसी ने लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। एमसीसी ने कहा कि उसकी रिसर्च से पता चला है कि गेंद की मूवमेंट पर लार का कोई असर नहीं होता। इसने कहा, 'कोरोना महामारी के बाद जब क्रिकेट बहाल हुआ तो विभिन्न प्रारूपों में खेलने की शर्तों में साफ लिखा था कि लार का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।' इसमें कहा गया, 'एमसीसी की रिसर्च से पता चला कि गेंद की स्विंग पर लार का कोई असर नहीं होता।'

दमखम

वाशिंगटन में सिएटल साउंडर्स के खिलाफ फुटबाल मुकाबले में लियोन के मिडफील्डर जोस रामिरेज गेंद पर पकड़ बनाने की कोशिश में।

मॉयल इस्पात राजभाषा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित

नागपुर। इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक केंद्रीय इस्पात मंत्री राम चंद्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मदुरै, तमिलनाडु में आयोजित की गई। बैठक के उपाध्यक्ष, इस्पात और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर रामचंद्र प्रसाद सिंह ने मॉयल को राजभाषा के प्रयोग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2018-19, 2019-20 के लिए इस्पात राजभाषा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया। मॉयल के सीएमडी मुकुंद पी चौधरी और निदेशक मानव संसाधन श्रीमती ऊषा सिंह को मॉयल के प्रदर्शन और हिंदी भाषा के उपयोग में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समिति ने हिंदी की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और कार्यालय कार्यों में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मॉयल के प्रयासों की सराहना की।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क के दाम 400 रुपए प्रति टन बढ़ाए

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी एनएमडीसी ने लंप्स अयस्क और फाइंस की कीमतों में 400 रुपए प्रति टन की बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। दो सप्ताह में एनएमडीसी ने कीमतों में दूसरी बार वृद्धि की है। लौह अयस्क इस्पात विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाला प्रमुख कच्चा माल है। इसकी कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर इस्पात की कीमतों पर पड़ता है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में एनएनडीसी ने कहा कि उसने लंप्स अयस्क का दाम 6000 रुपए प्रति टन और फाइंस का 4960 रुपए प्रति टन तय किया है।

2.8 फीसदी रह सकता है चालू खाते का घाटा

मुंबई । देश का चालू खाते का घाटा कैड चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी के 2.8 प्रतिशत या 23.6 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। यदि ऐसा होता है तो यह कैड का 13 तिमाहियों का सबसे ऊंचा स्तर होगा। बुधवार को जारी इस रिपोर्ट के मुताबिक, रूस-यूक्रेन संघर्ष की वजह से जिंसों के दाम चढ़ रहे हैं, जिसका सीधा असर चालू खाते के घाटे पर पड़ेगा।

नियमों में कुछ खास बदलाव अक्तूबर से होंगे लागू

लंदन

नियम एक : वैकल्पिक खिलाड़ी

विकल्प को उसी खिलाड़ी की तरह माना जाएगा जिसकी जगह उसने ली है यानी मैच के दौरान उस खिलाड़ी पर लगी कोई सजा या विकेट वगैरह भी इसमें शामिल होंगे।

नियम 18 : कैच देकर आउट होने वाले बल्लेबाज संबंधी

अगर कोई बल्लेबाज कैच आउट हुआ है तो उसकी जगह आने वाला नया बल्लेबाज अगली गेंद खेलेगा (ओवर खत्म होने की दशा में नहीं)।

नियम 20.4.2.12 : डेड गेंद

मैदान पर किसी व्यक्ति, पशु या अन्य चीज से किसी टीम को नुकसान होने पर डेड गेंद का इशारा होगा।

मसलन पिच पर कोई घुस जाए या मैदान पर कुत्ता दौड़ जाए या कई बार बाहरी बाधा होती है तो इसका असर खेल पर पड़ने पर अंपायर डेड गेंद का इशारा करेंगे।

क्रिकेट

नियम 21.4 : गेंद से पहले गेंदबाज का स्ट्राइकर छोर पर गेंद डालना। यदि कोई गेंदबाज गेंद डालने से पहले स्ट्राइकर की ओर रन आउट के इरादे से गेंद फेंकता है तो इसे डेड गेंद माना जाएगा। ऐसा वैसे बहुत ही कम होता है।

एशियाई युवा व जूनियर में निवेदिता और तमन्ना फाइनल में, रेणु को कांस्य

नई दिल्ली

भारतीय महिला मुक्केबाज निवेदिता कार्की (48 किग्रा) और तमन्ना (50 किग्रा) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जोर्डन के अम्मान में चल रही एशियाई युवा व जूनियर मुक्केबाजी प्रतियोगिता में बुधवार को फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन रेणु (52 किग्रा) को सेमीफाइनल में हार के कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछली बार की रजत पदक विजेता निवेदिता और तमन्ना ने अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की।

निवेदिता को जहां थाईलैंड की रनरारिट ग्रेसी के खिलाफ 4-1 से जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा वहीं तमन्ना ने शानदार प्रदर्शन किया और कजाकिस्तान की अनीता आदिशेवा पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। रेणु युवा वर्ग के एक अन्य सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की मुनव्वर फोजिलोवा से 0-5 से हार गईं। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने सभी 12 भार वर्गों में पदक पक्के किए हैं जबकि पुरुषों ने छह पदक पक्के कर लिए हैं। इससे युवा वर्ग में देश के पदकों की संख्या 18 हो गई है।

भारत की आठ महिला मुक्केबाज तनीषा लांबा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), शाहीन गिल (60 किग्रा), रवीना (63 किग्रा), प्रियंका (66 किग्रा), प्रांजल यादव (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा) और स्नेहा (81 किग्रा) फाइनल में जगह बनाने के लिए बुधवार की रात को रिंग पर उतरेंगी। लड़कियों के जूनियर सेमीफाइनल में पिछली बार की चैंपियन निकिता चंद (60 किग्रा) ने जार्डन की एसेल महमूद को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

मुक्केबाजी

सुप्रिया देवी थोकचोम (54 किग्रा), विधि (57 किग्रा), श्रुष्टि साठे (63 किग्रा), रुद्रिका (75 किग्रा) और खुशी पूनिया (80 किग्रा) ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते।

धार्मिक भावना के साथ मनोरंजन से भरपूर है जगन्नाथ पुरी की यात्रा

भारत के अनेक पर्यटन स्थलों में ओडिशा राज्य के जगन्नाथ पुरी और आस-पास के पर्यटन स्थलों की यात्रा कर हम कह सकते हैं कि यह केवल एक धार्मिक यात्रा ही नहीं वरन मनोरंजन से भी भरपूर है। हम यात्रा का प्रारम्भ जगन्नाथ पुरी के सुंदर और विशाल समुंद्री तट से करते हैं। गोल्डन बीच के नाम से विख्यात है पुरी का समुंद्र तट। यह बीच केवल सैलानियों की दृष्टि से ही नहीं वरण धार्मिक रूप से श्रद्धालुओं की आस्था का भी केंद्र है। सैलानी जहाँ मनोरंजन करने आते हैं वहीं श्रद्धालु भगवान जगन्नाथजी के नाम से पवित्र स्नान कर पुण्य कमाते हैं। यह तट पुरी के जगन्नाथ जी के मंदिर के समीप लोगों की आस्था का प्रबल केंद्र है। यह एक सुरक्षित बीच है जहाँ लोग जी भरकर समुंद्र में स्नान करने का आनन्द ले सकते हैं। यहाँ दिन भर लोगों का जमघट लगा रहता है और वे अपने-अपने तरीके से बीच और समुंद्र का मजा लेते हैं। यहां आध्यात्म और प्रकृति का अनूठा संगम देखने को मिलता है। विशेष रूप से सुबह और शाम को सुनहरी रेत पर नंगे पैर घूमना, मखमली रेत पर बैठ कर प्रातः सूर्योदय एवं सांय सूर्यास्त की कोमल रश्मियों के साथ समुंद्र में उसका रंगीन प्रतिबिम्ब और बीच की ओर छपाक से आती पानी की लहरों को देखना, कभी न भूलने वाले चित्ताकर्षक दृश्य होते हैं। देर तक समुंद्र और आसपास के नजारों को निहारना, बच्चों का रेत से खेलना, रेत पर सूर्य स्नान,समुद्र में स्नान, तैरना और नौकायन पर्यटकों को मस्ती और ताजगी से भर देता हैं। संध्या समय में खास कर बच्चें घुड़सवारी और ऊंट सवारी का मजा ले सकते हैं। बीच पर सैलानियों के मनोरंजन के लिये साहसिक वाटर स्पोर्ट्स स्कूबा डाइविंग एवं सर्फिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। बीच के किनारे स्नेक्स और सी फूड के स्टाल्स लगे हैं। प्रतिवर्ष नवम्बर माह में बीच पर ओडिशा की संस्कृति एवं विरासत (हेरिटेज) को बढ़ावा देने के लिये रंगबिरंगे वार्षिक पुरी बीच उत्सव का आयोजन किया जाता है। उत्सव के दौरान भारत में विविध प्रकार के शास्त्रीय एवं लोक नृत्यों के प्रदर्शन के साथ-साथ हस्तशिल्प, हैंडलूम एवं रेत कला की प्रदर्शनियां लगाई जाती हैं। रेत कला प्रदर्शन के लिये यह उत्सव विशेष तौर पर जाना जाता है। देश भर के रेत कला शिल्पी इसमें भाग लेकर अपनी शिल्प का प्रदर्शन करते हैं। फैशन शो एवं रॉक शो के आयोजन उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। बीच पर वॉलीबाल,कबड्डी,मलखम एवं नावों की दौड़ प्रतियोगिता जैसे परम्परागत खेलों को सैलानी रुचि पूर्वक देखते हैं, और कभी-कभी इनमें शामिल होकर लुत्फ भी उठाते हैं। उत्सव का आयोजन होटल एवं रेस्टोरेंट संघ ओडिशा द्वारा पर्यटन मंत्रालय, आयुक्त हस्तशिल्प एवं पूर्वी जोन सांस्कृतिक केंद्र, कोलकात्ता के सहयोग से किया जाता हैं। भुवनेश्वर से 60 किलोमीटर दूर बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित पुरी भारत का ही नहीं विश्व में एक धार्मिक नगरी होने का गौरव प्राप्त करता है। पुरी शहर के समीप स्थित समुद्र इसके चरण पखारता है। इसे हजारों वर्षों से कई नामों यथा नीलगिरी, नीलाद्रि, नीलांचल, पुरूषोत्तम, शंखश्रेष्ठ, श्रीश्रेष्ठ, जगन्नाथ धाम, जगन्नाथपुरी के नाम से जाना जाता है। पुरी भारत के प्रमुख चार धामों में से एक है।

जनपद में चली साइकिल, 4 में से 3 सीटों पर किया कब्जा

मऊ। विधानसभा चुनाव 2022 में जनपद के 4 सीटों में से 3 सीट सपा गठबंधन वह एक सीट भाजपा के खाते में गई। गुरुवार को नवीन कृषि मंडी में सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू हुई जो देर शाम तक चलती रही। सदर विधानसभा से

मधुबन सीट गई भाजपा के खाते में

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के उम्मीदवार बाहुबली मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे अब्बास अंसारी ने भाजपा के अशोक सिंह को हराया

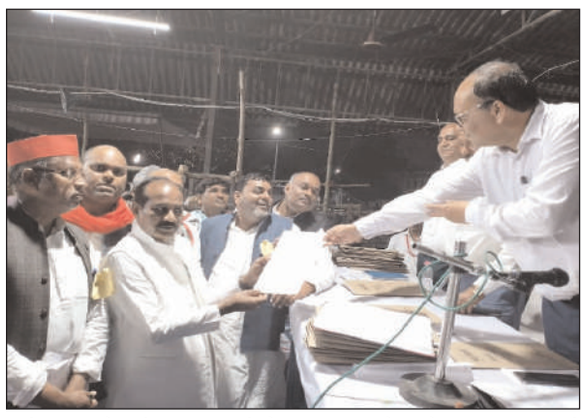

वही बसपा के भीम राजभर तीसरे नंबर पर रहे। वही मधुबन विधानसभा से भाजपा के रामविलास चैहान ने समाजवादी पार्टी के उमेश पांडे को हराया। मोहम्मदाबाद गोहना विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के राजेंद्र कुमार ने भाजपा प्रत्याशी पूनम सरोज को मात दी। घोसी से सपा के दारा सिंह चैहान ने भाजपा के विजय राजभर को हराया। जहां 2017 विधानसभा में जनपद की 4 विधानसभा सीटों में 3 सीट बीजेपी के खाते में गई थी वही 2022 विधानसभा चुनाव में जनपद में केवल 1 सीट ही बीजेपी जीत पाई।

मधुबन विधानसभा 353 से भाजपा के राम विलास चैहान को 79032 वोट, सपा पार्टी के उमेश पाण्डेय 75584 वोट, बसपा से नीलम सिंह कुशवाहा को 51185 वोट तथा कांग्रेस पार्टी के अमरेश पाण्डेय 3871 वोट मिले। इस प्रकार 4448 वोट से भाजपा प्रत्याशी रामविलास चैहान हुए विजयी हुए।

घोसी विधानसभा 354 से भाजपा पार्टी के विजय राजभर 86214 वोट, सपा पार्टी के दारा सिंह चैहान 108430 वोट, बसपा के वसीम इकबाल, चुन्नू को 54248 वोट वही कांग्रेस पार्टी की प्रियंका यादव 2012 वोट मिले। इस प्रकार सपा 22216 वोट से दारा सिंह चैहान हुए विजयी हुए।

सदर विधान सभा से सुभासपा के अब्बास अंसारी को 124691 वोट मिले वही भाजपा के अशोक सिंह को 86575 वोट, बसपा के भीम राजभर को 44516 वोट मिले। इस प्रकार सुभासपा के अब्बास अंसारी ने अशोक सिंह को 38116 वोट से हराया।

मुहम्मदाबाद गोहना से सपा के राजेन्द्र कुमार को 94396 वोट, भाजपा की पूनम सरोज को 67852 वोट वही बसपा के धर्म सिंह गौतम को 56254 वोट मिले।

मुहम्मदाबाद गोहना से जीत दर्ज करने वाले सपा प्रत्याशी राजेंद्र कुमार तीसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। वह इसके पहले दो बार मधुबन (नत्थूपुर) व मुहम्मदाबाद गोहना से बहुजन समाज पार्टी से विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। अपने राजनीतिक जीवन में वह 10 वां चुनाव लड़े थे। वह पहला चुनाव नत्थूपुर से 1985 में बसपा से लड़े। 1993 में सपा-बसपा गठबंधन में जब नत्थूपुर की सीट बसपा के खाते में गई तो राजेंद्र को फिर मौका मिला। उस बार उन्होंने जीत हासिल की। बसपा मुखिया मायावती ने अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में उन्हें राजस्व मंत्री बनाकर अहम जिम्मेदारी दी। 1996 के चुनाव में भी बसपा ने उन्हें वहीं से उम्मीदवार बनाया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। 2002 में नत्थूपुर से राजेंद्र को टिकट नहीं मिला तो वह निर्दल ही चुनाव लड़ गये। बहुजन समाज पार्टी ने उन्हें 2007 में उम्मीदवार बनाया। राजेंद्र कुमार ने जीत हासिल की। 2012 व 2017 का चुनाव भी वह यहीं से बसपा से लड़े और कांटे के संघर्ष में मामूली मतों से हारे। इसके बाद राजेंद्र का बसपा से मोहभंग हो गया। उन्होंने 17 सितंबर 2019 को समाजवादी पार्टी में आस्था जताते हुए सदस्यता ग्रहण कर ली। सपा ने घोषित प्रत्याशी पूर्व विधायक बैजनाथ पासवान का टिकट काटकर उन्हें उम्मीदवार बनाया तो उन्होंने जीत दर्ज कर यह सीट पार्टी की झोली में डाल दी। जीत का प्रमाण पत्र मिलने के बाद राजेंद्र कुमार ने बुलंद आवाज से बातचीत में कहा कि उनकी जीत मुहम्मदाबाद गोहना के समाजवादी व अंबेडकरवादी साथियों की जीत है।

जीत पर कार्यकर्ताओं ने पार्टी संस्थापाकों को किया याद

दोहरीघाट, मऊ। प्रदेश में मिले भारी जनाधार से उत्साहित भाजपा कार्यकताओं ने कस्बा स्थित पार्टी कार्यालय पर भारी संख्या में उपस्थित होकर पार्टी के संस्थापकों डा. श्यामा प्राद मुखर्जी व प. दीनदयाल उपाधाय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे नमन किया। क्षेत्र से जुटे कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ढोल नगाड़ों के साथ अबीर गुलाल उड़ाकर विजय की खुशी की होली खेली। कार्यालय परिसर में उपस्थित कार्यकताओं के बीच भाजपा के जिलाउपाध्यक्ष संतोष राय ने कहा कार्यकताओं की कड़ी मेहनत व एक जुटता से प्रदेश में कमल खिला है। इस अवसर पर खुशी जाहिर हिमांशु राय, पप्पु गुप्ता, विकाश वर्मा, आशीष शर्मा, संतोष कुमार, पंकज गुप्ता, प्रहलाद गुप्ता, संदीप राय, उमेश यादव, हेमन्त राय, प्रहलाद दास, केशभान राय, अवधेश राय, संजय प्रजापति आदि सैकड़ो लोग रहे।

कस्बे में भाजपा कार्यकताओं ने निकाला विजय जुलूस- उत्तर प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक जीत व मधुबन विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी रामविलास चैहान के गीत पर कस्बे में भाजपा कार्यकताओं ने पूरे अबीर गुलाल के होली खेलते हुए ढोल नगाड़ों के साथ विजय जुलूस निकाला पूरा नगर योगी मय हो गया पूरे नगर में योगी मोदी के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही इस दौरान आजाद जयसवाल विनय जयसवाल मोनू साहनी अजय कुमार बबलू सोनकर पीयूष कुमार चन्द्र प्रकाश, राहुल कुमार समेत आदि लोग रहे।

औराई से दीनानाथ ज्ञानपुर से विपुल और भदोही से सपा के जाहिद जीते

भाजपा और गठबंधन का भदोही की दो सीट पर कब्जा, हारे बाहुबली विधायक विजय मिश्र, भदोही से हार गए भाजपा विधायक रविंद्रनाथ त्रिपाठी सपा की झोली में सीट

प्रखर भदोही। भदोही जनपद की तीन सीटों पर चुनाव परिणाम घोषित हो गया है। पूर्वांचल की सबसे हॉट सीट ज्ञानपुर पर बाहुबली विधायक विजय मिश्रा अबकी बार पराजित हुए है। यहां समाजवादी पार्टी को पीछे कर निषाद-भाजपा गठबंधन ने कब्जा जमाया। जबकि भदोही से वर्तमान विधायक रविंद्रनाथ त्रिपाठी को समाजवादी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा है। औराई से भाजपा के वर्तमान विधायक दीनानाथ भास्कर की जीत हुई है।

जनपद भदोही की तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा और गठबंधन को दो सीट मिली है। पूर्वांचल की सबसे चर्चित सीट ज्ञानपुर से बाहुबली विधायक विजय मिश्रा की बुरी तरह पराजय हुई है। उन्हें सिर्फ 34,770 मत मिले हैं। जबकि विजय मिश्रा यहां से लगातार चार बार विधायक रह चुके हैं। वर्तमान समय में भी वह विधायक हैं। जिस निषाद पार्टी ने भाजपा से गठबंधन कर यह सीट जीती है उसी निषाद पार्टी से वर्तमान में विजय मिश्रा विधायक हैं। वह संपत्ति और अन्य विवाद में आगरा सेंट्रल जेल में बंद हैं। उन्होंने प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के टिकट चुनाव लड़ा था। ज्ञानपुर सीट का इतिहास बदल गया है। यहां से निषाद-भाजपा गठबंधन के विपुल दुबे की जीत हुई है। विपुल राजनीति के लिए एकदम नया चेहरा हैं। उन्हें 6, 867 मतों से जीत हासिल हुई है। जबकि जिला निर्वाचन अधिकारी ने 6,231 मतों से बताया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के पूर्वमंत्री रामकिशोर बिंद को हराया है।

विपुल को 73,210 मत मिले जबकि रामकिशोर बिंद को 66,343 वोट मिले। बहुजन समाज पार्टी के उपेंद्र सिंह को 30,654 वोट मिले। कांग्रेस के सुरेश चंद्र मिश्रा को महज 1933 वोट मिले। ज्ञानपुर विधानसभा में कुल 213788 मत पड़े हैं। नोटा पर 2464 मत पड़े। ज्ञानपुर में कुल नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे थे।

भदोही विधानसभा से समाजवादी पार्टी के जाहिद बेग ने 4,536 मतों से जीत हासिल की है। भाजपा के वर्तमान विधायक रविंद्रनाथ त्रिपाठी को 95,239 मत मिले हैं जबकि समाजवादी पार्टी को 99,775 वोट मिले। बहुजन समाज पार्टी के हरि शंकर उर्फ दादा को 40,369 मत मिले हैं। कांग्रेसी उम्मीदवार वसीम अंसारी को 2341 मत से ही संतोष करना पड़ा। भदोही विधानसभा में कुल 2,48597 मत पड़े हैं। भदोही विधानसभा में कुल 12 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे थे। नोटा पर 2130 मत पड़े। भाजपा के वर्तमान विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी को पराजित कर समाजवादी पार्टी के जाहिद बेग ने जीत हासिल की है।

औराई विधानसभा में भाजपा के वर्तमान विधायक दीनानाथ भाष्कर विजयी हुए हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अंजनी सरोज को 1,657 मतों से पराजित किया है। दीनानाथ भाष्कर यहां से लगातार सुरक्षित सीट से दूसरी बार विधायक चुने गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने मीडिया में दिए गए बयान में जानकारी दिया है कि भदोही से समाजवादी पार्टी के जाहिद जमाल बेग,औराई से दीनानाथ भाष्कर ने जीत हासिल किया है जबकि सबसे चर्चित सीट ज्ञानपुर विधानसभा से विपुल दुबे की जीत हुई की है। उन्होंने कहा है जनपद में मतगणना शांतिपूर्वक संपन्न हो गई है।

आजमगढ़ में पांच सीटों का परिणाम आया, सब पर दौड़ी साइकिल

आजमगढ़। जिले में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणाम के लिए मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू है। आजमगढ़ की पांच सीटों पर परिणाम घोषित। लालगंज सुरक्षित से सपा के बेचई सरोज 83087 मत पाकर भाजपा की नीलम सोनकर 68720 को 14367 वोटों से, मेंहनगर सुरक्षित सीट से सपा की पूजा सरोज 85582 ने भाजपा की मंजू सरोज 71609 को 13973 वोटों से, दीदारगंज में सपा के कमलाकांत राजभर 72877 ने भाजपा के डा. कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा 59911 को 12966 वोटों से, फूलपुर-पवई विधानसभा सीट से सपा के रमाकांत यादव 81164 ने भाजपा के रामसूरत राजभर 55558 को 25606 वोटों से और विधानसभा सीट निजामाबाद से सपा के आलमबदी 79022 ने भाजपा के मनोज यादव 45444 को 26578 वोटों से हरा दिया है। कुछ ही पलों में ही जीत हार की घोषणा हो जाएगी। जिले की 10 विधानसभाओं के लिए मतदाताओं ने सात मार्च को अपना मतदान किया था। सुबह मतगणना का रुझान शुरू होने के साथ ही यूपी में सरकार बनाने की गुणा गणित जारी है। इस बार जिले में 57.90 फीसद मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

कालीन उद्योग को जीआइ टैग का दर्जा मिला पर लाभ नहीं

भदोही। देश के लिए प्रति वर्ष 14 हजार करोड़ से अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाले कालीन उद्योग की हालत दिनों दिन खराब होती जा रही है। विशेषकर कालीन उत्पादन का जन्मदाता भदोही पिछले पायदान पर आ गया है जबकि देश से होने वाले कुल कालीन निर्यात में भदोही की भागीदारी 30 फीसद है। गिरी हालत में भी भदोही-मीरजापुर से चार हजार करोड़ का प्रति वर्ष निर्यात किया जा रहा है। बावजूद इसके कालीन परिक्षेत्र मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

फेफना के सियासी युद्ध में खूब लड़े संग्राम, मंत्री उपेंद्र तिवारी हारे

बलिया। फेफना विधान सभा सीट पर मंत्री उपेंद्र तिवारी चुनाव हार गए हैं। उन्हें सपा के संग्राम सिंह यादव ने पराजित किया है। मंत्री उपेंद्र 2012 व 2017 में लगातार जीत हासिल किए थे। संग्राम सिंह यादव शुरूआत से ही इस सीट पर बढ़त बनाए हुए थे।

इस सीट पर पहले सपा के अंबिका चौधरी का कब्जा रहता था। 2017 के चुनाव में सपा से अनबन होने के बाद अंबिका चौधरी इस सीट पर बसपा से लड़े थे। संग्राम सपा से। इसका लाभ उपेंद्र तिवारी को मिला था। इस बार अंबिका चौधरी और संग्राम सिंह यादव एकजुट थे। ऐसे में इस सीट पर सपा भाजपा को पटखनी देने में कामयाब रही। यहां पर कुल 27 राउंड मतगणना पूरी हुई। संग्राम को 91563 मत मिले, जबकि उपेंद्र को 72,478 मत प्राप्त हुए। इस तरह सपा प्रत्याशी ने 19,085 वोटों से विजय हासिल की।

ब्लाक प्रमुखी से लोकसभा तक का चुनाव लड़ चुके हैं संग्राम सिंह यादव- फेफना विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते सपा के संग्राम सिंह यादव मोहन की मठिया (चेरुइयां) के रहने वाले हैं। युवावस्था से ही राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे हैं। ब्लाक प्रमुखी, विधायकी, एमएलसी, लोकसभा के चुनावों में भाग्य आजमा चुके हैं। हालांकि सिर्फ एक बार चिलकहर विधानसभा से बसपा के टिकट पर 17 माह के लिए विधायक बने थे। यह उनका दसवां चुनावी संग्राम था। 1993 में चिलकहर विधानसभा से बसपा के सिंबल पर चुनाव लड़े व भारी मतों से रामगोविंद चौधरी को शिकस्त दी। इसके बाद संग्राम ने चिकलहर से ही एक बार सपा और एक बार बसपा से चुनाव लड़ा लेकिन हार का ही सामना करना पड़ा। 2017 में फेफना में दूसरे नंबर पर रहे। उनका कहना है कि जातिवाद से परे हटकर क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाएंगे। सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलेंगे।

बलिया नगर से पहली बार विधायक बने दयाशंकर सिंह, दो बार के विधायक रहे नारद राय को हराया

बलिया। बलिया नगर सीट से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह पहली बार जीत दर्ज कर विधायक बने। उन्होंने सपा के पूर्व मंत्री और दो बार के विधायक रहे नारद राय को 26,176 मतों से हरा दिया। इससे पहले भी वह 2007 में भाजपा के टिकट पर इसी सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। यह सीट 2017 में भी भाजपा के खाते में थी। मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला इसी सीट पर विधायक बने थे। मतगणना में दयाशंकर शुरू से ही बढ़त बनाए तो अंत तक बने रहे। कुल 30 राउंड में काउंटिंग पूरी हुई, इसमें दयाशंकर को कुल 102276 मत प्राप्त हुए जबकि नारद को 76,100 वोट मिले। बसपा के मदन वर्मा यहां तीसरे स्थान पर रहे। नगर विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज करने वाले भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार दयाशंकर सिंह राजनीति में छात्रसंघ से कदम रखा था। वे लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 1996-97 में महामंत्री व 1997-98 में अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसके बाद भाजपा में कई पदों पर रहे। अभी वह प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। इनकी शिक्षा एमए, एलएलबी है। दया शंकर को राजनीतिक पृष्ठभूमि विरासत में ननिहाल से मिली। इनके मामा मैनेजर सिंह बैरिया विधानसभा सीट के कई बार विधायक हुए। दयाशंकर ने 2007 में सदर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा परंतु सफलता नहीं मिली। इस बार उन्होंने सपा के नारद राय को मात दी। उनका कहना है कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। बड़ी योजनाओं को जिले में क्रियान्वित किया जाएगा।

बदलती लाइफ स्टाइल से बढ़ रहे हैं किडनी के मरीज : डा. संजय सिंह

मऊ। विश्व किडनी दिवस के अवसर पर आज शारदा नारायन हॉस्पिटल में एक जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर शारदा नारायन हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ संजय सिंह ने लोगो को जागरूक करते हुए बताया की आजकल की दौड़-भाग भरी जीवनशैली ने गैरसंचारी रोगों को बढ़ावा दिया है किडनी यानी गुर्दा शरीर का एक बेहद ही महत्वपूर्ण अंग है, जो शरीर में खून को साफ करता है, यूरिन को बाहर निकालता है। क्रोनिक किडनी डिजीज बेहद कॉमन और नुकसानदायक होती है। विश्व भर में प्रत्येक 10 लोगों में से 1 वयस्क इससे ग्रस्त होता है। यदि इसका इलाज ना किया जाए, तो व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। गुर्दे की बीमारी से संबंधित मृत्यु दर सालाना बढ़ रही है और 2040 तक मृत्यु का 5 वां प्रमुख कारण होने का अनुमान है। किडनी में जरा सी भी समस्या होने पर ये सभी कार्य प्रभावित हो सकते हैं। गुर्दे की बीमारियां को साइलेंट किलर भी कहा जाता है, जो आपके जीवन की गुणवत्ता को काफी हद तक प्रभावित कर सकती हैं। आगे डॉ सिंह ने बताया की कभी भी बिना चिकित्सक परामर्श के दवाओं का सेवन कद्दापि न करे, कोई भी बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाए। अंत में शारदा नारायन हॉस्पिटल बांझपन रोग विशेषज्ञ डा. एकीका सिंह ने महिलाओ को जागरूक करते हुए बताया की पुरुषों की तुलना में महिलाओं में किडनी संबंधित समस्याएं अधिक हो रही हैं। किडनी रोग की चपेट में आने के बाद समय पर इलाज ना लेने से प्रत्येक वर्ष लाखों महिलाओं की मौत हो जाती है। जिनकी उम्र 30-35 वर्ष से अधिक होती है, उनमें किडनी रोग अधिक होता है। महिलाएं हों या पुरुष किडनी की बीमारी के मुख्य जोखिम कारक हैं मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर आदि। किडनी की बीमारी आपको कब हो जाती है, इसका पता कई साल नहीं लगता, इसलिए इसे साइलेंट किलर भी कहते हैं। इसके लक्षण जल्दी नजर नहीं आते हैं और जब किडनी रोग का पता चलता है, तो वह काफी गंभीर रूप धारण कर लेता है। आगे डा. एकीका सिंह ने गर्भवती महिलाओ को गर्भावस्ता में खुद का कैसे ख्याल रखे इसके बारे में जानकारी दी तथा बताया की गर्भावस्था में कोताही बिलकुल न बरते और बिना चिकित्सक परामर्श के बाहरी दवाओं का सेवन भूल कर भी न करे। इस मौके पर डा. मधुलिका सिंह, डा. राहुल कुमार, डा. रुपेश के सिंह, गौरव, मनीष प्रदीप आदि लोग मौजूद रहे।

विधायक ने जीत के बाद नकटेश्वरी धाम में टेका मत्था, लिया आशीर्वाद

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह ने सबसे पहले अपने परिवार व कार्यकताओं के साथ नकटी स्थित नकटेश्वरी माता मंदिर में दर्शन पूजन कर आशीर्वाद किया। इसके पूर्व बाबतपुर से जुलूस के रूप में निकले विधायक का जगह जगह स्वागत किया गया। कुआर में पूर्व ग्राम प्रधान संजय जायसवाल, नकटी में अदित्यनारायन दुबे, नयेपुर में सन्दीप सिंह, नथईपुर में शैलेश मिश्रा ने माला फूलो से स्वागत किया। उसके बाद काफिला मन्दिर पहुचा जहाँ हर हर महादेव , माँ नकटेश्वरी की जयकारे से पूरा परिसर गूंज उठा। सपरिवार दर्शन पूजन करने के बाद उनका काफिला क्षेत्र में जगह जगह कार्यकताओ से मिलने के लिए निकल गया। जगह जगह ग्रामीणों ने रोक कर स्वागत किया। उनके साथ जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, जिला मंत्री जेपी दुबे, संदीप सिंह, मनीष पाठक, अरविंद मिश्रा, अजय पटेल, ओपी पटेल, सुशांत सिंह, अतुल रावत, संतोष सिंह ,सरमेश सिंह, मनीष पांडेय समेत दर्जनो कार्यकर्ता रहे।

जीत पर गदगद हुए भाजपाई, बीजेपी से टी राम की जीत पर खुशी की लहर- प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की मतगणना के बीच हर तरफ बीजेपी के कार्यकर्ता जश्न में डूबे हुए नजर आ रहे हैं। इसी बीच काशी के बीजेपी कार्यकताओं में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच पिंडरा ब्लॉक व अजगरा विधान सभा के भोपतपुर गाव की सड़कों पर उतरे बीजेपी कार्यकर्ता इस कदर जश्न में डूबे की लोगो की उत्साह देखते बनी। इस दौरान ग्राम प्रधान श्याम प्यारी देवी,जिला पंचायत सदस्य गौतम सिंह,मनीष पांडेय ,उमेश, दीपक उपध्याय, शुभम, ,लल्ला पांडेय कुशाग्र ,हेमेंद्र मोहन पांडे अभिजित पांडेय ने, कुलदीप पांडे ,आनंद पांडे, आशीष पांडे, आलोक पांडे , सूरज कन्नौजिया ने घर घर जाकर मिठाई बाट कर खुशी मनाई। वही पिंडरा ब्लॉक के रामापुर, रसूलपुर, कोइरीपुर, टिकरीखुर्द, व कृष्णा कला में ग्रामीण व भाजपाई जीत के जश्न में डूबे रहे।

राष्ट्रीय हिन्दू दल द्वारा विजय जुलूस निकाल कर मिठाई खिलाकर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

प्रखर वाराणसी। योगी आदित्यनाथ जी की स्वर्णिम जीत व ऐतिहासिक जीत की एवं दुबारा मुख्यमंत्री बनने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय हिन्दू दल अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय द्वारा अपने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ नगवां रविदास पार्क से लंका बीएचयू गेट होते हुए संकटमोचन अस्सी घाट तक वाइक रैली निकाल कर संकटमोचन मंदिर रोड स्थित आरो वाटर सप्लाई प्रभात चौरसिया द्वारा सभी लोगों को एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं गुलाल लगाकर बधाई दिया गया एवं डीजे बजाते हुए जमकर डांस किया गया जिसमें अमन त्रिपाठी जी ने कहा ये गर्व की बात है हम हिंदुओं की जीत हुई है। रोशन पाण्डेय ने कहा कि ये हिंदुत्व की जीत हुई है,ये राम मंदिर की जीत हुई है ये भगवा की जीत हुई है।

लगाया विवादित बैनर- राष्ट्रीय हिन्दू दल अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय द्वारा लंका चौराहा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बुलडोजर चलाते हुए एवं बुलडोजर में साइकिल के साथ अखिलेश यादव को लटका हुआ दिखाया गया। बैनर लगवाने में राष्ट्रीय हिन्दू दल महानगर अध्यक्ष पंकज सिंह, महानगर उपाध्यक्ष संतोष द्वेदी जी मुकेश मोदनवाल,दिपक कुमार केशरी, महानगर उपाध्यक्ष गुज्जर भाई, जिला उपाध्यक्ष जयनेन्द्र त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शैलेश यादव जी, प्रदेश अध्यक्ष संतोष द्विवेदी उर्फ पप्पू जी महानगर अध्यक्ष पंकज सिंह जी के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

यह जनता के विश्वास की जीत है : डॉ अवधेश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विस क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक डॉ अवधेश सिंह को देर शाम पिंडरा के आरओ राजीव कुमार राय द्वारा दिया गया। जीत का प्रमाण पत्र मिलने के बाद उपस्थित समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और जीत का प्रमाण पत्र लेकर बाहर निकले भाजपाइयों ने फूलो से लाद दिया। इस दौरान उन्होंने कहाकि यह जनता की जीत है। उन्होंने जीत के लिए पिंडरा क्षेत्र में हुए विकास कार्य और मोदी योगी के आशीर्वाद से सफलता मिली। उन्होंने कहाकि अब विकास के अधूरे कार्य जैसे बाबतपुर में आरओबी का निमार्ण, रामपुर ने होमियोपैथी यूनिवर्सिटी, सांस्कृतिक संकुल, घर घर नल योजना को पूर्ण कराने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहाकि प्रचार के दौरान कुछ गांव ऐसे मिले जहाँ विकास की किरण अभी नही पहुची है वह देख थोड़ा विचलित हुआ। उन्होंने कहाकि इस जीत से यह सबक मिली कि जाति धर्म नही बल्कि सबका साथ सबका विकास करने से ही जनता के बीच पैठ बनाई जा सकती हैं। वही जीत के प्रमाणपत्र को बाहर लेकर निकलने पर उनके भाई सुरेन्द्र सिंह, पुत्र प्रभात सिंह, डॉ राकेश सिंह, आदित्य दुबे, इलाका सिंह, ब्लॉक प्रमुख संरक्षक रविशंकर सिंह, पवन सिंह, बबलू मिश्रा, अनुज सिंह, अरुण सिंह विन्नी, डॉ योगेंद्र सिंह, पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र सिंह, शरद पांडेय, प्रवीण राय ने स्वागत किया।

फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संस्थापक स्व. जवाहर लाल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया होली महोत्सव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संस्थापक स्व० जवाहरलाल की जयंती के उपलक्ष्य में 10 मार्च गुरुवार को मैदागिन स्थित पराड़कर स्मृति भवन में होली महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सकुशल संपन्न हुआ। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम ने बताया कि जवाहरलाल जी अपने संपूर्ण जीवन में समाज के निरीह से निरीह व्यक्तियों की मदद करने के लिए अग्रिम भूमिका में रहते थे,आज इस विशेष अवसर पर फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में हरिशंकर सिन्हा जी की नियुक्ति सर्वसम्मति से की गई है होली के महत्वपूर्ण त्यौहार का ख्याल रखते हुए प्रत्येक स्ट्रीट वेंडरों को पॉलिथीन मुक्त भारत में स्वयं से अपना कदम बढ़ाते हुए,अपने सामानों का क्रय-विक्रय झोला में करने के लिए संकल्प भी दिलाया गया। मुख्य अतिथि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह जी ने कहा कि ठेला पटरी व्यवसायियों की एकजुटता व अनुशासन से शहर के अन्य संगठनों को भी सीख लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारतीय मजदूर संघ पूर्व जिला अध्यक्ष विजय प्रकाश श्रीवास्तव ,समाजसेवी अजय सिंह बॉबी ,नगर निगम कर्मचारी संघ महामंत्री मनोज कुमार ,नगर निगम कर्मचारी संघ उपाध्यक्ष वाचस्पति मिश्रा ,नगर निगम अतिक्रमण प्रभारी संजय श्रीवास्तव , पूर्वांचल महिला व्यापार मंडल अध्यक्ष सविता सिंह , महामंत्री नेहा सिंह ,अधिवक्ता शिव कुमार शुक्ला ,पार्षद शैलेंद्र श्रीवास्तव, वाराणसी टेंट एसोसिएशन पूर्व अध्यक्ष प्रकाश कुमार श्रीवास्तव समेत सैकड़ों पदाधिकारीगण पथ विक्रेता गण उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह महादेव जी ने व संचालन फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति अभिषेक निगम ने किया।

सैयदराजा विधान सभा से भाजपा ने जीत का परचम लहराया

सैयदराजा/चंदौली। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के साथ ही अब योगी आदित्यनाथ की सरकार का दोबारा सत्ता में आना सुनिश्चित हो गया है। फिलहाल पूर्वांचल की कई हाट सीटों पर सबसे महत्वपूर्ण सीट सैयदराजा विधान सभा सीट थी। सबकी नजरें इसी विधान सभा पर टिकी हुई थी। इनमें सैयदराजा विधानसभा सीट पर लोगों की विशेष निगाह भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुशील सिंह पर थी। विधायक सुशील सिंह ने एक बार फिर जीत दर्ज करते हुए अपने जीत का रिकॉर्ड कायम रखा है। सुशील सिंह ने चंदौली में चौथी बार लगातार विधान सभा चुनाव जीतने वाले विधायक बन गये हैं। चंदौली जिले के पहले विधायक बन गए हैं। इसके पहले यह कारनामा किसी भी विधायक ने नहीं किया है। सैयदराजा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी सुशील सिंह के जीत की खुशी में इनायतपुर, बबुनिया ,कमालपुर ,जनौली इत्यादि गांवों में जश्न का माहौल देखने को मिला भाजपा के समर्थकों में खुशी दिखी कि प्रदेश में फिर से भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बना रही है वहीं भाजपा प्रत्याशी सुशील सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के प्रत्याशी मनोज सिंह डब्लू से 10965 वोटों से जीत दर्ज की है इस खुशी में इनायतपुर ग्राम में चंदन राजभर भाजपा बूथ संयोजक के नेतृत्व में इनायतपुर काली मंदिर से मीठा चढ़ा कर जुलूस निकाला गया जुलूस में जय श्री राम ,बुलडोजर बाबा जिंदाबाद आदि का नारा लगाते हुए पूरे गांव में घूमे व पूरे गांव सभा में बड़ों का आशीर्वाद लेते हुए मिठाई बटवाये इस बीच कई लोग मौजूद रहे अजय पाठक, हवलदार राजभर ,विनय मौर्य, चंदन मौर्य ,रमेश राजभर ,मंचल पाठक, विपुल मौर्य ,मुन्ना राय ,बुलबुल पाठक, विक्की ,सोनू ,गोपी गुप्ता इत्यादि।

आजाद शिक्षा केन्द्र द्वारा महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कार्यक्रम आयोजित

प्रखर खेतासराय जौनपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंगलवार को कस्बे के आजाद शिक्षा केन्द्र एवम इंस्टीट्यूट फार सोशल डेमोक्रेसी नई दिल्ली के संयुक्तई आयोजन में महिलाओं और किशोरियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इस कार्यक्रम मे 12 गॉव की 300 महिलाओ ' किशोरियो ने भाग लिया जिसमें ज्योतिका श्रीवास्तव द्वारा महिलाओं किशोरियों को कार्यक्रम से अवगत कराने के बाद मनोज कुमार के द्वारा महिलाओं को रिंग थ्रोऔर किशोरियों - को रस्सी कूद खेलाया गया तत्पश्चात महिलाओं और किशोरियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया जिसमे महिलाओ - ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया` जिसमें भोजपुरी गीत ' लोकगीत ' निर्गुण ' सोहर गाया गया और महिलाओं द्वारा नृत्य भी करके महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया । खेल मे प्रतिभाग करने वाली महिलाओ को वालिंटियर द्वारा बैच लगाकर सम्मानित - किया गया` संस्था - प्रमुख निसार अहमद खान के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय - महिला दिवस क्यों मनाया जाता है और कब से मनाया जा रहा है . बताया और महिलाओं - को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करते हुए प्रत्येक गाँव के समूह की महिलाओं के द्वारा चार्ट पर उनके गाँव की पाँच समस्या ' दो ब्लॉक की समस्या तथा एक जिले की समस्या लिखवाई गई - जिसमें प्रमुख समस्या - नाली के पानी की निकासी ' मनरेगा में नाम न होना . विधवा एवं का वृद्धा पेशन . राशन कार्ड की समस्या, विभिन्न गावों से निकल कर आयी ' नया सवेरा परियोजना - श्रम विभाग से अमीनुद्दीन जी ने महिला दिवस के उपलक्ष्य पर श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को विस्तार पूर्वक बताते हुए पात्र व्यक्तियों एंव महिलाओ का श्रमिक पंजीयन कराने पर विशेष - बल दिया साथ ही बालश्रम ' बालविवाह - न कराने एंव बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए लोगों को प्रेरित किया` इस कार्यकम का संचालन ज्योतिका श्रीवास्तव द्वारा करते हुए महिलाओं को बधाई दी गई और अंत में सभी को लंच पैकेट दिया गया और धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया गया । कार्यकम में आजाद शिक्षा - केन्द्र के कार्यकर्त्ता बीनू ' आफताब आलम . रीमू . सुनील कुमार ' नौसाद . शाकिरा मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

काशी विद्यापीठ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा की गई अनूठी पहल

प्रखर वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 09/03/2022 को मनोविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वारा एक अनूठी पहल करते हुए विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मियों को उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में अध्यक्ष के रूप में माननीय कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्रिपाठी, मुख्य अतिथि के रूप में कुलसचिव, डॉ सुनीता पांडे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिकारी श्री संतोष कुमार शर्मा की गरिमामय उपस्थिति रही। समारोह की संयोजिका एवं मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. रश्मि सिंह ने स्वागत उद्बोधन, समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार संचालन एवं समन्वयक डॉ. दुर्गेश कुमार उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। परिवार, समाज, एवं राष्ट्र की निर्मात्री नारियों को केंद्र में रखते हुए छात्र-छात्राओं हेतु स्वरचित काव्य-पाठ, पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। स्वरचित काव्य-पाठ प्रतियोगिता में कुल 20 छात्र छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। एम. ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा ज्योति को निर्णायक मंडल द्वारा सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया । कुल 7 प्रस्तुतियों का चयन पुरस्कार हेतु किया गया । निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में डॉ. अनीता सिंह, संस्कृत विभाग; डॉ. सुरेंद्र प्रताप सिंह, हिंदी विभाग, एवं डॉ. दुर्गेश कुमार उपाध्याय, मनोविज्ञान विभाग ने अपना योगदान दिया । रंगोली प्रतियोगिता में कुल 6 छात्र-छात्राओं के समूह ने हिस्सा लिया । समूह 'डी', जिसका नेतृत्व ज्योति मौर्या ने किया, को निर्णायक मंडल ने सर्वश्रेष्ठ घोषित किया। इसके अतिरिक्त समूह 'ई' एवं समूह 'जी' जिनका नेतृत्व क्रमशः अवंतिका एवं नीति तिवारी ने किया उनको द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 33 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया । एम. ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र राहुल सरोज को निर्णायक मंडल ने सर्वश्रेष्ठ घोषित किया एवं कुल 10 छात्र छात्राओं को पुरस्कार हेतु चयनित किया गया । निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा, ललित कला विभाग; डॉ. संगीता घोष, संगीत विभाग एवं डॉ. अनीता सिंह, संस्कृत विभाग ने अपना योगदान दिया। घर एवं कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकारों एवं उनके सम्मान की सुरक्षा हेतु, साथ ही साथ उनके मानसिक, सामाजिक, एवं आर्थिक उन्नयन हेतु संभावित उपायों पर केंद्रित 'सेंसिटाईजेशन कार्यशाला' का भी आयोजन किया गया, जिसकी मुख्य वक्ता 'विंग्स टू लर्न' की निर्देशिका एवं पर्सनल सेफ्टी एडुकेटर सुश्री रेणु सिंह थीं। इस कार्यशाला का संचालन तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री ईवा सेठ तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दीपमाला सिंह बघेल द्वारा किया गया। दुर्गा स्तुति पर एम. ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सौमी मंडल ने अत्यंत प्रभावी नृत्य की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिका डॉ. रश्मि सिंह, समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार पद एवं डॉ. दुर्गेश कुमार उपाध्याय, आयोजन सचिव डॉ. दीपमाला सिंह बघेल, सह-आयोजन सचिव डॉ. पूर्णिमा श्रीवास्तव तथा आयोजन समिति के सम्मानित सदस्य प्रो. आर. पी. सिंह, भूतपूर्व संकाय अध्यक्ष, समाज विज्ञान संकाय; डॉ. संतोष कुमार सिंह, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. कंचन शुक्ला, सुश्री वंदना, समस्त मनोविज्ञान विभाग के सदस्यों का योगदान रहा। इस भव्य आयोजन में कई विभागों के आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. शिवराम वर्मा, महालेखाकार श्री जयशंकर सिंह आदि की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस प्रसव पूर्व महिलाओं की निःशुल्क जांच

चन्दौली। जनपद की हर गर्भवती को प्रसव पूर्व जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया गया। इस दौरान जिले में 1074 गर्भवती की प्रसव पूर्व निःशुल्क जांच (एएनसी) की गई, जिनमें से 118 उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) वाली चिन्हित की गईं । इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुँचने वाली महिलाओं को परिवार नियोजन के साधन अपनाने के बारे में जागरूक भी किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ वाई के राय ने बताया कि प्रत्येक गर्भवती के सुरक्षित प्रसव व जच्चाझ्रबच्चा की बेहतरी के लिए प्रसव पूर्व जांच कराना बहुत आवश्यक है इससे समय पर जोखिम की पहचान कर मातृ-शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकता है अभियान के स्वास्थ्य केंद्रों पर सफल क्रियान्वयन के लिए प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है सभी केन्द्रों पर आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के अंतर्गत प्रसव पूर्व जांच के लिए निर्धारित कक्ष में चिकित्सक द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं` इसके साथ ही उच्च जोखिम वाली गर्भवती के पंजीकरण के लिए अलग से रजिस्टर कर विशेष निगरानी की सुविधा दी जाती है` अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ हेमंत ने बताया कि इस दिवस पर गर्भवती को निःशुल्क प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) की सुविधाएं दी जाती हैं। इसके साथ ही परिवार नियोजन के साधन अपनाने के बारे में महिलाओं को जागरूक भी किया जाता है` इसका उद्देश्य माँ और बच्चा को स्वस्थ बनाने के साथ मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है` प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर स्वास्थ्य केन्द्रों पर आई गर्भवती की महिला चिकित्सकों द्वारा प्रसव पूर्व सभी जाँचें जैसे ब्लड टेस्ट, यूरिन जांच, ब्लड प्रेशर, मधुमेह, सिफलिस, हीमोग्लोबिन जांच, अल्ट्रासाउंड की निःशुल्क सुविधा दी जाती है।

संक्षिप्त खबरें

गौरा और शंकर के गौने की तैयारियां शुरू रंगभरी एकादशी का उत्सव मनाया जाएगा 14 मार्च को

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रंगभरी (अमला) एकादशी पर बाबा विश्वनाथ, माता पार्वती संग प्रथमेश की चल प्रतिमा की पालकी यात्रा के निमित्त होने वाले लोकाचार से पूर्व की तैयारियां बुधवार से शुरू हो गईं। इस वर्ष रंगभरी एकादशी का उत्सव 14 मार्च को मनाया जाएगा। टेढ़ीनीम स्थित महंत आवास पर एक तरफ जहां बाबा की पारंपरिक पालकी की साफ सफाई शुरू गई है वहीं राजा दरवाजा में शिव पार्वती के राजसी परिधानों को तैयार किया जा रहा है। राजादरवाजा में महादेव के राजसी वस्त्र नंदलाल मास्टर तैयार कर रहे हैं यह दायित्व निभाने वाले टेलर मास्टर किशन लाल पने परिवार की तीसरी पीढ़ी के सदस्य हैं। रंगभरी एकादशी के अवसर होने वाले चार दिवसीय लोकाचार का शुरूआत 11 मार्च से शुरू हो जाएगी। महाशिवरात्रि पर बाबा की चल प्रतिमा का शिव-पार्वती विवाह विश्वनाथ मंदिर के महंत आवास पर लोकपरंपरानुसार किया गया था। महंत डॉ कुलपति तिवारी ने बताया। गौरा के गौना के लिए 11 से 14 मार्च तक महंत आवास गौरा के मायके में परिवर्तित हो जाएगा। 11 को महंत आवास पर माता गौरा की प्रतिमा के पूजन के बाद गौना की हल्दी होगी। गौनहारिनों की टोली मंगल गीत गाएगी। गौना के अवसर पर बाबा विश्वनाथ की प्रतिमा को अहमदाबाद के गांधी-आश्रम से भेजी गई खादी से बनी राजसी पोशाक धारण करेंगे। गौरा के लिये बरसाने एक भक्त ने घाघरा भेजा है। बाबा के गौना के अवसर पर टेढ़ीनीम महंत-आवास पर शिवांजलि के लोक एवं सुगम संगीत की पारिवारिक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया है। इसमें शामिल होने वाले कलाकारों के नाम पर अंतिम निर्णय दस मार्च को किया जाना है।

दोबारा सरकार व विधायक बनने पर कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर के साथ मनाया जीत का जश्न

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार बीजेपी की सरकार बनने व विधायक डॉ अवधेश सिंह के दोबार रिकार्ड मत से जीत पर पिंडरा विस क्षेत्र में जगह जगह कार्यकर्ताओ ने बुलडोजर व डीजे के साथ जीत का जश्न मनाया। जिससे कार्यकर्ता में डीजे के धुन पर 10 दिन पूर्व ही होली का माहौल दिखा। फूलपुर में अभ्युदय सेवा समिति ने एक अलग तरह से जीत का जश्न मनाया। बुलडोजर को माला फूल से सजाकर पूरे बाजार व गांव में डीजे के साथ घूमे और जीत के खुशी में ग्रामीणों के बीच 75 किलो लड्डू का वितरण किया। वही थाना, रामपुर, सुरही, गजोखर, खालिसपुर, गांव में भाजपाइयों ने डीजे के साथ खूब नाचे। इसके अलावा पिंडरा, फूलपुर, सिंधोरा, कठिराव, कुआर, मंगारी व ओदार समेत अनेक बड़े बाजारो में कार्यकताओं ने आतिशबाजी व अबीर गुलाल उड़ा कर जीत का जश्न मनाया। डीजे के धुन पर कार्यकताओं द्वारा जीत का जुलूस निकालने के कारण विभिन्न मार्गों पर जाम की स्थिति रही। सायं 5 बजे से चला जीत का जश्न देर रात तक चला। इस दौरान जगह जगह मिष्ठान का वितरण हुआ। इस दौरान अमिताभ दुबे, सुरेश पांडेय, संजय सिंह, राजू सिंह, अतुल रावत, अभिषेक राजपूत, अजय ऊदल, कौशल मिश्रा, राकेश मिश्रा समेत कार्यकर्ता रहे।

ग्राम प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने विधानसभा चुनाव 2022 का नतीजा घोषित होने के बाद मनाया जश्न लगाया नारा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जनपद के ग्राम प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ,प्रधान संगठन सेवापुरी प्रधान के साथ सेवापुरी विधानसभा 2022 चुनाव के नतिजे आने के बाद जश्न मनाया और सेवापुरी प्रधान के साथ एवम जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए नारा लगाया गया प्रधान संघ जिंदाबाद , प्रधान जी जिंदाबाद प्रधान हित में काम करेगा मैं उसका साथ दूंगा जय प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ,जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह ,जिला सचिव केशव प्रसाद ब्लॉक अध्यक्ष नितिन सिह,ब्लॉक संरक्षक घनश्याम यादव ,रविंदर कुमार ,ओम प्रकाश वर्मा ,सोनू सिंह ,राम आसरे वर्मा, सुजीत सिंह, अमर कुमार, रविंद्र कुमार टाइगर, आजाद पटेल, सुरेश पटेल, ओम प्रकाश यादव, रमेश सेठ ,अजय कुमार जायसवाल समस्त प्रधान उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं